

## **Daily** सच के हक में... HE PHOTON NEWS

Ranchi ● Thursday, 18 July 2024 ● Year: 02 ● Issue: 180 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

Malaika Arora

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

Flaunts Her...

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

RANCHI : मुहर्रम की दसवीं पर झारखंड समेत पूरे देश में पहलाम का जुलूस निकाला गया। इस क्रम में निकाले गए आकर्षक ताजिए को देखने के लिए लोगों की भारी भीड उमडी। अलग–अलग कमेटियों के द्वारा

एक से बढकर एक ताजिए का निर्माण किया गया। अलग-अलग प्रारूप पर बने ताजिए काफी आकर्षक

लग रहे थे। जुलूस के क्रम में गोल जमाकर खिलाडियों

करतब देखने के लिए मुस्लिम समाज के महिला-पुरुष और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए। बता दें कि मुहर्रम

अशुरा के दिन ताजिए निकाले जाते हैं जो कि शोक का

प्रतीक होता है। इसी कारण इस महीने को शोक का महीना भी कहते हैं। वैसे तो मुहर्रम का पूरा महीना

बेहद पाक और गम का महीना होता है। लेकिन मुहर्रम का १०वां दिन जिसे रोज-ए-आशुरा कहते हैं, सबसे

खास होता है। 1400 साल पहले मुहर्रम के महीने की

हुसैन को शहीद किया गया था। उसी गम में मुहर्रम की

10 तारीख को ही पैगम्बर मोहम्मद के नाती इमाम

10 तारीख को ताजिए निकालें जाते हैं।

के महीने की दसवीं तारीख को पैगंबर मोहम्मद के नाती इमाम हुसैन शहीद हुए थे। इस गम में हर साल

ने लाढी, तलवार, भाला से अपने कौशल का परिचय दिया। हैरत अंगेज करतब दिखाए। इस तरह का

: 80,716.55 24,613.00

7,010 99.99

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम) **BRIEF NEWS** 

#### केजरीवाल की जमानत पर 29 जुलाई को फैसला

NEW DELHI : शराब नीति केस में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली सुरक्षित रख लिया है। बुधवार को करीब ढाई घंटे तक चली चली बहस के बाद कोर्ट ने कहा- जमानत याचिका पर सुनवाई २९ जुलाई को अरेस्ट करने के खिलाफ जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा-ने कोर्ट में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का जिक्र किया। उन्होंने कहा- हाल ही में इमरान खान को रिहा किया गया था, लेकिन उन्हें दूसरे मामले में फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। हमारे देश में ऐसा नहीं हो सकता। न्यूज वेबसाइट बार एंड बेंच के मुताबिक सीबीआई के वकील डीपी सिंह ने कहा- अगर केजरीवाल को जमानत हैं। यहां सभी को पता है कि देश में

#### तेल टैंकर समुद्र में पलटा 16 क्रू मेंबर्स लापता

NEW DELHI : ओमान के पास एक तेल टैंकर समुद्र में पलट गया। इस पर 13 भारतीय और 3 श्रीलंकाई समेत कुल १६ क्रू मेंबर्स सवार थे। ये सभी लापता हैं। घटना सोमवार (15 जुलाई) की है। इस पर 13 भारतीयों कें सवार होने की बात अब सामने आई है। ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। बधवार तक भी लापता लोगों की जानकारी नहीं मिल पाई। समुद्री सुरक्षा केंद्र के मुताबिक, प्रेस्टीज फाल्कन नाम का तेल टैंकर दुबई के हमरिया पोर्ट से रवाना हुआ था। इस पर कोमोरोस का झंडा लगा हुआ था। यह यमन के अदन पोर्ट जा रहा था। डुक्म के पोर्ट टाउन के पास रास मद्रकाह से करीब ४६ किमी दूर दक्षिण-पूर्व में तेल टैंकर पलट गया। क्रू मेंबर्स की तलाश में दो दिनों से सर्च और रेस्क्यू अभियान चलाया जा

#### दिल्ली में मादक पदार्थ के साथ एक गिरफ्तार

NEW DELHI : बुधवार को राष्ट्रीय

राजधानी दिल्ली के द्वारका इलाके से

पुलिस ने मादक पदार्थ एम्फेटामाइन के साथ नाइजीरिया के एक नागरिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। बताया कि नाइजीरिया के रहने वाले आर्थर इफियानी मदुग्वाना (40) के पास से बरामद मादक पदार्थ की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 50 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने बताया, हमें सूचना मिली थी कि आर्थर इफियानी मदुग्वाना नामक व्यक्ति मादक पदार्थ (एम्फेटामाइन) के साथ द्वारका क्षेत्र में आएगा, जिसके बाद एक टीम गठित की गई और आरोपी को डाबरी क्षेत्र के पास पकड

लिया गया।

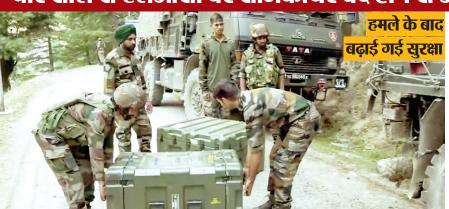
याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला करेंगे। सीबीआई द्वारा केजरीवाल को अरविंद केजरीवाल जनता के चुने हुए मुख्यमंत्री हैं, आतंकवादी नहीं। सिंघवी मिली तो वह जांच प्रभावित कर सकते कैसे जांच को प्रभावित किया जाता है।

#### जम्मू में 78 दिनों के भीतर ११ आतंकी हमलों में ११ जवानों ने दी शहादत

#### **AGENCY NEW DELHI:**

डोडा के घने जंगलों में आतंकवादियों के घात लगाकर किए गए हमले में एक कैप्टन समेत चार जवानों के बलिदान से एक बार फिर पाकिस्तान को सर्जिकल स्टाइक का डर सताने लगा है। यही वजह है कि पाकिस्तान की वायु सेना ने अपनी लड़ाकू हवाई गश्त बढ़ा दी है। जम्मू क्षेत्र में 78 दिन के भीतर 11 आतंकी हमले हुए हैं, जिनमें 11 जवान शहीद हुए हैं। चार साल से एलओसी पर सीज फायर बरकरार रहने और पीर पंजाल की पहाडियों के दक्षिणी ओर आतंकी हमले बढ़ने से खुफिया एजेंसियों पर सवाल

### चार साल से एलओसी पर सीजफायर बंद होने से उठने लगे सवाल



घात लगाकर मारतीय जवानों पर आतंकियों ने किया था अटैक

डोडा मुठभेड़ के बाद पाक ने अपने इलाके में बढ़ाई लड़ाकू हवाई गश्त

## आतंकियों-सेना के बीच डोडा में दो बार हुई फायरिंग

सर्च ऑपरेशन के दौरान जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के डेसा इलाके में आतंकियों और सेना के बीच 2 बार गोलीबारी हुई। डेसा फोरेस्ट बेल्ट के कलां भाटा में मंगलवार की रात 2 बजे पंचान भाटा इलाके में फायरिंग हुई। हालांकि इसमें किसी नुकसान की खबर नहीं है। आर्मी के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दरअसल १५ जुलाई को सेना और पुलिस को इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके

बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जहां आतंकियों ने जवानों पर फायरिंग की और भाग निकले। वे घना जंगल होने की वजह से बच निकले। 15 जुलाई को ही रात 9 बजे उन्होंने फिर गोलीबारी की। इसमें कैप्टन समेत 4 जवान शहीद हुए। एक पुलिसकर्मी की भी मौत हुई थी। कुल 5 लोगों की जान गई। इसके बाद राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सर्च ऑपरेशन और तेज कर दिया।

#### दक्षिणी इलाके को बनाया गया है घुसपैट का रास्ता

दरअसल, पीर पंजाल पहाड़ियों के उत्तरी ओर कश्मीर घाटी में आतंकवाद का लगभग सफाया होने के बाद अब सीमा पार से घुसपैठ के लिए दक्षिणी इलाके को नया रास्ता बनाया गया है। जम्मू कश्मीर के दक्षिणी पीर पंजाल के इलाके डोडा, पुंछ और राजौरी, किश्तवाड़ रियासीँ, कठुआ के पहाड़ी इलाके में सुरक्षा बलों और नागरिकों पर आतंकी हमले हो रहे हैं। आतंकवादी हमलों के बीच पिछले माह एक खुफिया रिपोर्ट में बताया गया था कि पुंछ-राजौरी सेक्टर में करीब 40 विदेशी आतंकवादी मौजूद हैं। अमरनाथ यात्रा शुरू होने के बाद्र से पाकिस्तानी आतंकी एक बार फिर सीमा लांघ रहे हैं। इस क्षेत्र में मौजूद विदेशी आतंकवादी छोटी-छोटी टीमों में काम कर रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक में दो–तीन आतंकवादी हैं। आतंकवादियों की संख्या का थाकलन खिकरा। एत्तेंसियों और जमीन पर काम कर रहे बलों से मिले इनपुट पर किया गया है।

### एक घंटे तक होती रही ईंट-पत्थरों की बारिश, 6 लोग गंभीर रूप से घायल धनबाद में तीन अखाड़ा कमेटियां आपस में भिड़ीं

बुधवार को मुहर्रम के दिन सुबह-सुबह 3 अखाड़ा कमेटियों में

**PHOTON NEWS DHANBAD:** 

भिड़ंत हो गई। एक-दुसरे पर कमेटियों के सदस्यों ने ईंट-पत्थर बरसाए। जमकर मारपीट हुई। इसमें 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मामला धनबाद जिले के झरिया का है। जलस निकालने के दौरान आपस में 3 कमेटी के लोग आपस में ही उलझ गए। धनबाद जिले के झरिया में कतरास मोड के चौथाईकुली से ऊपरकुली तक एक से डेढ़ घंटे तक तीन अखाड़ों

के लोगों ने तांडव मचाया।

## मुहर्रम जुलूस निकालने के दौरान हिंसा, इलाके में तनाव का माहौल



पत्थरबाजी में एक दर्जन से आईं हैं। घायलों की कुल संख्या अधिक लोगों के सिर में गंभी चोटें का अभी तक पता नहीं चल पाया

## पुलिस बल तैनात

हिंसा की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पत्थरबाजी कर रहे लोगों को रोका। काफी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया जा सका। सिंदरी डीएसपी खुद मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है। मुहर्रम के जुलूस के दौरान तरह–तरह के करतबों के बीच कुछ लोग आग के शोलों से खेल रहे थे। पुलिस ने उन्हें ऐसा करतब करने से मना किया, तो कथित तौर पर आग का एक गोला पलिस पर फेंक दिया गया।

है। पुलिस ने कुछ लोगों को

#### ज्योतिर्मट के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सोना गायब होने का किया है दावा

## केदारनाथ से 228 किलो सोना गायब होने पर बढ़ा विवाद

**AGENCY NEW DELHI:** सोमवार को ज्योतिर्मट के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब होने का आरोप लगाया था। उन्होंने इसकी जांच की मांग की थी। इस मामले में अब विवाद बढ़ गया है। उनके आरोप पर बुधवार को बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सिर्फ सनसनी फैलाना चाहते हैं। सबूत हैं तो सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट जाएं। अजेंद्र अजय ने कहा– मैं स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का सम्मान करता हूं, लेकिन वे दिनभर

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते रहते हैं। विवाद

खड़ा करना, सनसनी फैलाना और

चचाओं में बने रहना अविमक्तेश्वरानंद

की आदत है। अगर स्वामी कांग्रेस के

कर रहे हैं तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए काम

### मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र बोले- सनसनी न फैलाएं शंकराचार्य, सबुत है तो कोर्ट जाएं कहा- शंकराचार्य कांग्रेस के एजेंडे को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं तो यह दुर्भाग्यपूर्ण



#### 2022 में शुरू हुआ था सोना चोरी का मामला

केदारनाथ मंदिर में सितंबर-अक्टूबर 2022 में चांदी की परत हटाकर सोने की परत चढ़ाने का काम पूरा हुआ था। इसके लिए मुंबई के एक व्यापारी ने 23 किलो सोना मंदिर समिति को ढान किया था। जिसके बाद गर्भगृह की दीवारों और छत पर सोना मढ़ा गया था। गोल्ड प्लेटिंग का काम

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के दो अधिकारियों की देखरेख में हुआ था। करीब 19 कारीगरों ने 3 दिन में इस काम को पूरा किया था। सोने की परत चढ़ाने से पहले आईआईटी रुड़की, सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च रुड़की और एएसआई की 6 सदस्यों की टीम ने केदारनाथ का दौरा किया था।

#### दिल्ली में केदारनाथ जैसा मंदिर बनाने का विरोध में मंदिर बनाएंगे? वहां दूसरा घोटाला

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद १५ जुलाई को मुंबई में थे। उन्होंने दिल्ली में कदारनाथ मंदिर जैसा मंदिर बनाने पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा- भगवान के हजार नाम हैं, किसी और नाम से मंदिर बनाएं ... पूजा करें। जनता को भ्रम में न डालें। क्या दिल्ली में मंदिर बनाने के पीछे राजनीति है, इस पर शंकराचार्य बोले– हमारे धर्म स्थानों पर राजनीति वाले प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, केदारनाथ धाम से 228 किलो सोना गायब कर दिया गया और आज तक जांच नहीं हुई। कौन जिम्मेदार है? अब वहां घोटाला कर लिया तो दिल्ली

करेंगे? हम यह बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद इस बयान के बाद शिवसेना युबीटी के अध्यक्ष उद्धव ढाकरे के घर गए थे। आरोपों पर मंदिर समिति ने कहा था कि यह केदारनाथ धाम की छवि को खराब करने की साजिश है। गोल्ड प्लेटिंग का काम नियम के मुताबिक और अधिकारियों की देखरेख में किया गया था। मंदिर समिति की इसमें कोई सीधी भमिका नहीं है। बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति अधिनियम, 1939 में इस तरह के दान देने की छूट है।



#### बड़कागांव में फिर विवाद, असामाजिक तत्वों ने फेंके पत्थर

HAZARIBAGH : बड़कागांव में दो समदाय के बीच दो दिनों से विवाद चल रहा है। मंगलवार को महुदी में पथराव की घटना घटी थीं। इसके बाद पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दी गई थी। बुधवार को भी नया टांड़ और बलिया में पथराव के साथ-साथ गाड़ी को क्षतिग्रस्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नया टांड़ में पथराव की घटना भी घटी है। स्थिति को देखते हुए हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल भी घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों को समझाया। बुधवार सुबह से ही ग्रामीणों ने बड़कागांव डेली मार्केट की दुकानें बंद कर दी है। जिला के वरिय पदाधिकारी भी घटनास्थल पर कैंप कर रहे हैं। पूरा माजरा महुदी रामनवमी जुलूस मार्ग से जुंड़ा हुआ है। बीते मंगलवार को स्थिति बिगड़ता देख पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा था। जिसमें आसू गैस के गोले भी छोड़े गए थे। ताकि भीड़ को तीतर बीतर किया जा सके। वहीं पुलिस ने हल्का लाठी चार्ज भी किया था। जिसमें कुछ लोग घायल हुए थे। जानकारी के मुताबिक तीन दिन पहले से बड़कागांव प्रखंड के सोनपुरा गांव स्थित महुदी सरकारी स्कूल के पास महुदी और सोनपुरा गांव के कुछ लोग रामनवमी जुलूस रूट की मांग को लेकर धरना पर बैठे हुए थे। इसी वजह से प्रशासन एक्टिव हुआ। चूंकि इसी रूट पर मुहर्रम जुलूस भी निकलता है।

# भाजपा नेता शुभेंदु बोले सबका साथ, सबका विकास की हमें जरूरत नहीं

#### AGENCY KOLKATA:

बुधवार को पश्चिम बंगाल भाजपा विधायक और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को कहा, 'सबका साथ, सबका विकास', लेकिन अब हम यह नहीं कहेंगे। अब हम कहेंगे 'जो हमारे साथ, हम उनके साथ' सबका साथ, सबका विकास कहना बंद करो। पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में शुभेंदु बोले, 'भाजपा को अल्पसंख्यक मोर्चा की भी जरूरत नहीं है। हम जीतेंगे, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सबका साथ, सबका विकास का नारा दिया था। शुभेंदु ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा, 'यह नारा प्रधानमंत्री ने दिया था और यह अभी भी कायम है। भाजपा कार्यकर्ता के तौर पर मैंने बहुत दुख के साथ अपनी बात रखी कि भाजपा की राज्य इकाई को पार्टी कार्यकताओं के साथ खडा होना चाहिए, न कि उन लोगों के साथ जो भाजपा के साथ नहीं खड़े हैं। मैंने जो कहा वो राजनीतिक बयान है और इसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के



- कहा- पार्टी को बंद कर देना चाहिए अल्पसंख्यक मोर्चा, जो हमारे साथ, हम उसके साथ
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में 'सबका साथ, सबका विकास' का दिया था नारा
- कुछ घंटे बाद सफाई दी, पीएम के बयान से कोई लेना-देना नहीं

'सबका साथ सबका विकास' नारे से कोई लेना-देना नहीं है।

#### हम दिखाए जात ह काल झड

शुभेंदु ने आगे कहा कि जब मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र में जाता हूं तो वहां विकास कार्यों से हिंदु और मुस्लिम दोनों को फायदा होता है। फिर भी हमें सुनने को मिलता है कि भाजपा एक हिंदू पार्टी है। हमें काले झंडे दिखाए जाते हैं और हमारी गाड़ियों पर पत्थर फेंके जाते हैं। अधिकारी ने कहा कि हमने अब तक जो कुछ भी किया है। वह देश के हर नागरिक के लिए है, चाहे वह किसी भी धर्म का हो। मेरे बयान निजी हैं और इसका पार्टी की सोच से कोई लेना-देना नहीं है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र में अल्पसंख्यक मोर्चा था। मैंने मिलन उत्सव में 700 लोगों के साथ ईद मनाई और भाजपा उम्मीदवार अभिजीत गांगुली को एक भी वोट नहीं मिला। सांप्रदायिक

मतदान ने भाजपा को बहुत प्रभावित किया। पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान और चुनाव नतीजों के बाद कई जिलों में हिंसा हुई थी। नतीजे आने के बाद कोलकाता, नॉर्थ–२४ परगना, साउथ– 24 परगना, बर्धमान और कूचबिहार में चुनाव शुरू होने से लेकर अब तक हिंसा की 500 से ज्यादा घटनाएं हुई। इनमें 5 लोगों की मौत हुई और करीब 6 हजार लोग घायल हुए। कोलकाता में भाजपा पार्टी ऑफिस में 170 के करीब कार्यकताओं ने लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद शरण ले रखी थी। सभी साउथ और नॉर्थ-24 परगना से थे। उनका आरोप था कि रिजल्ट आने के बाद से टीएमसी नेता उनके घर जला रहे हैं, जानलेवा हमला कर रहे हैं।

बैंकॉक के ग्रैंड हयात इरावन होटल की घटना

### मृत पाए गए छह लोगों के रक्त में मिला साइनाइड का अंश

**AGENCY NEW DELHI:** बुधवार को बैंकॉक के एक होटल में संदिग्ध हालात में मृत मिले छह लोगों के शवों का पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों ने उनके रक्त में साइनाइड के अंश मिलने की पृष्टि की। साइनाइड बेहद जहरीला रसायन है, जिसके सेवन के बाद बच पाना लगभग नामुमिकन है। बता दें कि बैंकॉक के व्यस्त इलाके में स्थित ग्रैंड हयात इरावन होटल में मंगलवार को छह शव पाए गए थे। पुलिस ने बताया कि होटल के रिकॉर्ड की जांच से पता चला कि कमरे में छह लोगों के अलावा कोई अन्य बाहरी व्यक्ति नहीं था।

चुलालोंगकोर्न विश्वविद्यालय के

• सिटी स्कैन में शवों पर किसी प्रकार की चोट के निशान नहीं

मेडिकल स्कूल में फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. कोर्निकयाट वोंगपाइसरनिसन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सिटी स्कैन में शवों पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले हैं जिससे यह अनुमान पुष्ट होता है कि उन्हें जहर दिया गया। थाईलैंड पुलिस के फॉरेंसिक विभाग के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल त्राइरोंग पिवपन ने बताया कि कमरे से कब्जे में लिये गए खाली कप से पुलिस को साइनाइड का अंश

#### www.thephotonnews.com Thursday, 18 July 2024

हॉस्टल का ताला जबरन

तोडने पर प्रबंधन ने दी

केस करने की चेतावनी

## प. सिंहभूम के सारंडा में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़

### फोर्स को भारी पड़ता देख भागे उग्रवादी, हथियार व विस्फोटक सामान बरामद

PHOTON NEWS CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिले के घोर नक्सल प्रभावित कोल्हान और सारंडा के बीहड़ जंगलों में चल रहे अभियान के दौरान भाकपा माओवादी संगठन के उग्रवादियों व सरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हो गयी। यह मुठभेड़ बुधवार को अहले सुबह लगभग 5.50 बजे छोटानागरा थानान्तर्गत ग्राम दोलाईगढ़ा के आस-पास जंगली पहाड़ी क्षेत्र में हुई। इस दौरान दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग हुई। मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों को भारी पड़ता देख उग्रवादी जंगल एवं पहाड़ का लाभ उठाते हुए भाग खडे हए। नक्सलियों के जाने के बाद क्षेत्र में चलाये गये सर्च अभियान के दौरान घटना स्थल से

बारूद एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की हैं।

1 करोड़ के ईनामी मिसिर बेसरा को पकड़ने को चल रहा लगातार अभियान : पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया प्रतिबंधित (माओवादी) नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, चमन, अजय महतो, अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है। इसके आलोक में चाईबासा पुलिस, कोबरा 209 बटालियन, 203 बटालियन, 205 बटालियन, झारखण्ड जगुआर एवं सीआरपीएफ 60 बटालियन, 197



नक्सली मुठभेड़ में बरामद विस्फोटक व अन्य सामग्री • फोटोन न्यूज

बटालियन , 157 बटालियन, 174 बटालियन, 193 बटालियन, 134बटालियन, 26 बटालियन, 11 बटालियन की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान संचालित किया

अनमोल के दस्ते के साथ हुआ सुरक्षाबलों का सामना : इसी क्रम

में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) नक्सली संगठन के शीर्ष नेता अनमोल, अजय महतो, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन के अपने दस्ता के सदस्यों के साथ कोल्हान एवं सारंडा क्षेत्र में भ्रमणशील होने की सूचना प्राप्त हुई। इसके आलोक में 14 जुलाई से एक संयुक्त अभियान

छोटानागरा थाना एवं मनोहरपुर थाना के सीमावर्ती जंगली क्षेत्र में प्रारंभ किया गया है। अभियान के दौरान बुधवार को सुबह 5 बजकर 50 मिनट पर छोटानागरा थानान्तर्गत ग्राम दोलाईगढ़ा के आस-पास जंगली-पहाडी क्षेत्र में उग्रवादियों एवं सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई है।

मुठभेड़ के क्रम सुरक्षा बलों को भारी पड़ता देख नक्सली जंगल एवं पहाड़ का लाभ उठाते हुए भाग खड़े हुए। अग्रतर सर्च अभियान के दौरान घटना स्थल से एसएलआर रायफल समेत काफी मात्रा में गोला-बारूद एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गयी है। इस क्षेत्र में संचालित नक्सल विरोधी अभियान

- . एसएलआर राइफूल 01 एसएलआर मैगजीन-03 3.303 राइफल-01 4. 9 एमएम पिस्तौल-01 303 मैगजीन – 01. एसएलआर कारतस–174 राउंड
- 8. लैपटाप चार्जर के साथ-01
- 11. ब्लैक कारतूस पाउच-01 12. ब्लैक पिट्टू बैंग-07 13 . नक्सल टोंपी-01
- 14 . नक्सल ग्रीन यूनिफार्म-02 १५. काला पटका-०१ 16 . पावर बैंक-01 17 . मोबाइल चार्जर-03
- 18. चार्जिंग केबल-05 19. डिजिटल मीटर-01 20 . पालिथीन शीट बड़ा साइज-03 23 . पोर्टेबल ब्यूटेन गैस सिलेंडर-01 24 . सरसों का तेल-07 पैकेट
- जीवनरक्षक दवाईयों व अन्य दैनिक उपयोग के सामान।

#### • मेडिकल कॉलेज के पारामेडिकल स्टूडेंट्स ने 2 महीने के अंदर फिर से हॉस्टल का तोडा ताला

DHANBAD : शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पारामेडिकल स्टूडेंट ने 2 महीने के अंदर एक बार फिर से हॉस्टल का ताला तोड़ दिया है। रविवार को ताला तोड़ने के मामले ने अब तुल पकड़ लिया है। इस संबंध में मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने सभी छात्रों को चेतावनी दी है। नोडल प्रभारी डॉ. गणेश कुमार ने सभी पर केस करने को कहा है। दुसरी ओर स्टूडेंट हॉस्टल में रहने की अनुमति मांग रहे हैं। इससे पहले मई में पारामेडिकल स्टडेंटस ने ताला तोड दिया था। कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि हॉस्टल में अभी तक पानी और बिजली की व्यवस्था नहीं है। बिजली की

#### स्टूडेंट्स का टूट रहा धैर्य, प्रबंधन से गुहार

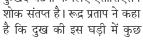
स्टूडेंट्स का कहना है 5 वर्ष से हॉस्टल के लिए मांग की जा रही है। वर्ष 2019 से यहां पर 5 करोड़ रुपये की लागत से हॉस्टल बनकर तैयार है. लेकिन स्टडेंटस को बाहर के किराए के मकान पर रहना पड रहा है। इससे स्टडेंटस को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि मेडिकल कॉलेज में वर्ष 2006 से पारामेडिकल की पढ़ाई हो रही है। 2 वर्ष के इस पाठ्यक्रम के लिए यहां 40 सीट निर्धारित किए गए हैं। अभी लगभग 80 के आसपास स्टूडेंट्स यहां अध्यनरत हैं, लेकिन इन्हें हॉस्टल नहीं मिला है।

व्यवस्था आने के बाद ही हॉस्टल अलॉट किया जाएगा, जबकि स्ट्डेंट्स का कहना है कि प्रबंधन टालमटोल की नीति अपना रहा है।

#### पलामू में बस फूंकने व चालक की पिटाई मामले पर

## असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करे पुलिसः ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन

जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत डालटनगंज-पांकी मुख्य पथ पर कुंदरी हादसे में बस फूंकने एवं चालक की पिटायी करने वाले असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करने की मांग पलामू जिला ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष रूद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को एक प्रेस बयान में कहा कि डालटनगंज से पांकी जाने के क्रम में जेपीएस यात्री बस कुंदरी में दुर्घटनाग्रस्त हो गयी, जिसमें कुछ यात्रियों की मौत हो गयी। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन इस पर गहरा दुख व्यक्त करता है। इस दुःखद घटना के लिए एसोसिएशन शोक संतप्त है। रूद्र प्रताप ने कहा



दोस्ती कर बाइक दिलाने के

बहाने ९६ हजार की टगी

PALAMU : दोस्ती कर सब्सिडी से बाइक दिलाने के बहाने एक युवक से 96 हजार रुपए ठगी करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में नौ जुलाई को लातेहार थाना में पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के जामुनडीह-फुलांग के चंदन कुमार पिता नथुनी राम ने प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। लातेहार के करकट वार्ड नंबर एक के निवासी राहुल कुमार पिता ईश्वरी साव को आरोपी बनाया है। आठ दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस की ओर से इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। इस बीच आरोपी युवक का मोबाइल लगातार बंद आ रहा है। पीड़ित चंदन कुमार ने लातेहार पुलिस ने पैसे की रिकवरी के लिए गुहार लगायी है। चंदन के अनुसार रतनलाल मोटरसाइकिल शोरूम में काम करते हुए राहुल से उसकी पहचान हुई थी। राहुल यहां से काम छोड़ने के बाद बताया था कि झारखंड किसान सेवा केन्द्र में



यात्री बस को जबरदस्ती पकड़कर आग के हवाले कर दिया गया। चालक को पीट पीटकर अधमरा कर दिया गया। चालक अपनी किस्मत से लड़ते हुए अस्पताल में दिन गिन रहा है। उन्होंने कहा कि पलाम् समेत अन्य जगहों पर दुर्घटनाएं तो आए दिन सड़क पर होती रहती है। परंतू ऐसे असमाजिक तत्वों द्वारा किए गए

प्रशासनिक कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृति ना हो। कुंदरी बस स्टैंड में 15 जुलाई सोमवार दोपहर दो बजे एक यात्री बस और टेम्पो में जोरदार टक्कर हो गयी थी। टक्कर के क्रम में टेम्पो सवार एक युवक बस में फंस गया था। बस उसे घसीटते हुए एक किलोमीटर दूर तक ले गयी थी। इस क्रम में युवक का शव क्षत विक्षत हो गया था। भागने के क्रम में बस वन विभाग के चेकनाका को भी तोड़ डाली थी। घटना के बाद गुस्सायी भीड़ ने जहां बस में आग लगा दी थी, वहीं उसके चालक को पीट पीटकर अधमरा

### लोहरदगा में डांडी में डूबकर

LOHARDAGA : जिले के कुडू थाना क्षेत्र अंतर्गत सुंदरू गांव में मुहर्रम का त्योहार उस वक्त मातम में बदल गया जब मुहर्रम जुलुस में शामिल होने से पहले साथियों के साथ डांडी में नहाने गए आठ साल के एक बच्चे की डूबने से मौत हो गई। बताया जाता है कि सुंदरू गांव निवासी सजीबुल्ला अंसारी का आठ साल का बेटा मिजान अंसारी साथियों के साथ घर से लगभग पचास मीटर दूर डांडी में नहाने गया था। इसी बीच मिजान अंसारी का पैर फिसल गया तथा वह डांडी में डूबने लगा। साथी बच्चों के शोर मचाने पर गांव के लोग डांडी पहुंचे तथा बच्चे को डांडी से बाहर निकालकर कुडू सीएचसी ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे

# बच्चे की मौत

मृत घोषित कर दिया।

## सहायक अध्यापक २० जुलाई से करेंगे सीएम आवास का घेराव

#### समान काम-समान वेतन से कम पर समझौता नहीं करने की चेतावनी

**PHOTON NEWS KHUNTI:** 

सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा खुंटी जिले की बुधवार को संघ के जिलाध्यक्ष संजय पाठक की अध्यक्षता में हुई बैठक में 20 जुलाई से मुख्यमंत्री आवास के अनिश्चितकालीन घेराव कार्यक्रम को लेकर रणनीति बनाई गई। जिलाध्यक्ष संजय कुमार पाठक ने कहा कि सरकार ने हमारे साथ छल किया है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार को बनाने में पारा शिक्षकों की भूमिका काफी महत्वपूर्णत है। इसे अपनी सरकार समझ कर हमलोगों ने कभी आंदोलन नहीं किया, लेकिन अब सहायक अध्यापकों को मजबूर हो कर सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि शिक्षक



यह अच्छा नहीं लगता, लेकिन अपने बाल-बच्चों की भविष्य को देखते हुए आंदोलन हमारी मजबूरी बन गई है। जब हम सब कुछ समान काम कर रहे हैं, तो फिर हमें समान काम का समान वेतन क्यों नहीं मिलता। वेतनमान में यदि समझौता नहीं होता है, तो समतुल्य

हम सेवा देते आ रहे हैं पर सरकार जानबूझ कर हमारी अनदेखी कर रही है। सचिव नेली लुकस ने कहा कि सरकार यदि राज्य कर्मी का दर्जा नही देती और वेतनमान लागू नहीं होता, तब तक मुख्यमंत्री आवास का अनिश्चित कालीन घेराव किया जाएगा। बैठक में सुरेश सिंह, सुशांति देवी, रजनी सांगा आदि मौजूद थे।

#### दुमका में लहराया फिलिस्तीन का झंडा



DUMKA: दुधानी में बुधवार को ताजिया जुलूस के दौरान कुछ युवकों ने फिलिस्तीन का झंडा लहरा दिया। इसका वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन भी सकते में आ गया। हालांकि पुलिस के आलाधिकारी इस पर कुछ बोलने से बचते रहे। सुबह दुधानी में ताजिया का जुलूस निकाला गया। इसमें हर कोई करतब दिखाने में व्यस्त था। तभी कुछ युवक हाथ में फिलिस्तीन का झंडा

## अधर्म और बुराइयों के आगे सिर न झुके यह पैगाम देता है मुहर्रमः केएन त्रिपाटी

PHOTON NEWS PALAMU: मानवता और इंसानियत की राह पर चलना सिखाता है महर्रम। अधर्म और बुराइयों के आगे सिर न झुके यह पैगाम देता है मोहर्रम। यह बातें पर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने कही। वह बुधवार को जिले के चैनपुर प्रखंड के नेउरा में दसवीं मुहर्रम के जुलूस को संबोधित कर रहे थे। त्रिपाठी ने कहा कि हजरत अली के दोनों लाल इमाम हसन, इमाम हुसैन, धर्म की रक्षा के खातिर अपने प्राणों का बलिदान देना उचित समझा लेकिन अधार्मिक कातिल यजीद के सामने सिर झुकाया नहीं। मोहर्रम की त्योहार हमें यही सीख देती है कि जीवन में चाहे लाख कठिनाइयां आएं लेकिन हमेशा सत्य के मार्ग पर चलें तो निश्चित तौर पर ईश्वर अल्लाह आपके लिए अच्छा करेंगे। चैनपुर



मुहर्रम अखाड़ा को संबोधित करते पूर्व मंत्री केएन त्रिपाटी 🏽 फोटोन न्यूज

मुख्य चौक पर मुहर्रम इंतजामिया कमेटी की ओर से चैनपुर रामनवमी कमिटी के अध्यक्ष और सदस्यों को पगडी पोशी कर हिंद-मुस्लिम एकता बनाए रखने का

मौके पर चैनपुर के मुहर्रम इंतेजामिया में कमिटी के जेनरल खलीफा आमिर अफजल खान एवं चैनपुर रामनवमी के जेनरल अध्यक्ष चंदू गुप्ता ने एक दूसरे को पगड़ीपोशी कर माल्यार्पण कर सम्मानित किया। अतिथि के रूप में मौजूद मेदिनीनगर नगर निगम की महापौर अरुणा शंकर, युवा समाजसेवी नेता दिलीप सिंह नामधारी को भी कमिटी ने सम्मानित किया। विभिन्न कमिटियों ने पारंपरिक लाठी-डंडा और तलवार के साथ जलस निकाला। अपने-अपने क्षेत्र के मिलान पर एकत्रित होकर पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र के साथ प्रदर्शन किया। प्रखंड के शाहपुर, चैनपुर, नेउरा, चांदो, सेमरा, बंदुआ सहित विभिन्न जगहों पर जुलूस निकाला गया।

#### वाहन के पलटने से दबकर बच्ची की मौत BOKARO: सिटी थाना क्षेत्र के

एलएच झोपड़ी कॉलोनी स्ट्रीट 13 में पानी लदे वाहन के नीचे आने से बच्चे की मौत हो गई। बताया जाता है कि कॉलोनी में छोटा हाथी वाहन में पानी की टंकी रखकर घर-घर पानी जाकर बेचने का कार्य होता है। हर दिन की तरह बुधावार को भी यह वाहन पानी बांटने झोपड़ी कॉलोनी में आया। इसी दरमियान यह गाड़ी स्ट्रीट 13 में रहने वाले प्रहलाद यादव के घर के पास रुकी और पानी बांटना शुरू करने ही वाली थी, कि इस क्रम में प्रहलाद यादव की पत्नी राखी देवी पानी लेने अपने घर से बाहर निकली। जब वह गाड़ी से पानी ले रही थी। इस दौरान उनका दो वर्ष का पुत्र घर से बाहर निकाल कर ना जाने कब गाडी के पास चला गया ,और गाडी के पीछे खड़ा हो गया। गाड़ी में बाजा बहुत जोर से बज रहा था। कुछ देर के बाद चालक ने गाड़ी आगे बढ़ा दी। इसी क्रम में गाड़ी का चक्का बच्चे के सिर पर चढ़ गया और बुरी तरह से फट गया।

## देवघर में 28 और बासुकीनाथ में 12 कार्यपालक दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति

मनोरंजन झा, लक्ष्मण यादव,

राज्य सरकार ने देवघर और बसकीनाथ श्रावणी मेला के दौरान विधि व्यवस्था संधारण भीड़ एवं अपराध नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए झारखंड प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु उपसमाहताओं की पोस्टिंग 18 जुलाई से 19 अगस्त तक की है।

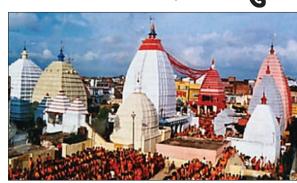
सभी पदाधिकारी को कार्यपालक दंडाधिकारी की शक्ति प्रदान की गई है और वह उपायुक्त के अधीन रहेंगे।

ये अधिकारी देवघर भेजे गए

राजेश कुमार, मनोज कुमार गोप, मुकेश कुमार, ओम प्रियदर्शी गुप्ता, संजय कुमार शुक्ला, प्रमोद कुमार गुप्ता, कंचन मुखर्जी, ललित नारायण तिवारी, संजय कुमार,

लघु उद्योग भारती ने लगाया निशुल्क अंग प्रत्यारोपण जांच शिविर

RAMGARH : लघु उद्योग भारती के तत्वावधान में रामगढ़ शहर के



ये अधिकारी बासुकी भेजे गए

कमलेश कमार दास. मोहम्मद हुसैन, रविनंदन उरांव, श्रवण लाल बाल किशन नाथ शाहदेव, जयंत कमार तिवारी, आशतोष कुमार भगत, विजय उरांव, मुरारी नायक. मनोज कमार रवि. अंबिका ठाकुर, सुदर्शन ठाकुर, कलिंदर साह, मनोज कुमार चौरसिया, कुमारी, विजय रंजन तिर्की, खेप शिव बालक प्रसाद, बिपिन चंद्र लाल राम, विजय राम, देव लाल करमाली, जया कुमारी, दीपक विश्वास, प्रभात रंजन ज्ञानी, प्रेम कमार मिश्रा, ने मन कुजूर, कुमार, सुनील कुमार मुरमू, प्रधान विजयलक्ष्मी सिंको सोमनाथ उरांव।

## लंदन म्यूजिक फेस्टिवल में 28 को जुगलबंदी करेंगे केडिया बंधु

बंधु लंदन में 28 जुलाई को आयोजित वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल में स्टेज प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किये गये हैं। इस विश्वस्तरीय म्युजिक फेस्टिवल वोमेड में तीन भारतीय कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। इसमें मोर मुकट-मनोज केडिया बंधु एवं मुम्बई की तबलावादक अनुराधा पाल शामिल हैं। बताया गया कि मैहर घराने के केडिया बंधु सरोद-सितार की युगलबंदी के लिए प्रसिद्ध हैं। केडिया बंधु प्रख्यात सरोद-सितार वादक रहे भारत रत्न पंडित रविशंकर एवं उस्ताद अली अकबर खां साहब की तर्ज पर ही मौजुदा दौर में भारतीय शास्त्रीय संगीत को ऊंचाईयों पर ले जाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी लंदन स्टेज प्रस्तुति को लेकर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, राज्यसभा सदस्य डॉ. सरफराज

अहमद समेत राज्य के कई संगीत



केडिया बंधु की फाइल फोटो

प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया है। बताया गया कि इसके अलावा लंदन के वेम्बली में भी 27 जुलाई को इनका कार्यक्रम है। गौरतलब है कि इसके पहले भी केडिया बंधु ने अमेरिका, जर्मनी, चीन, थाईलैंड, दुबई, सेंट्रल अमेरिका और ढाका सहित विश्व के कई अन्य देशों में सरोद-सितार की जुगलबंदी कर कर भारत का मान बढ़ाया है। केडिया बंधु झारखंड से सर्वोच्च श्रेणी के एक मात्र कलाकार हैं। इन्हें झारखंड रत्न सहित देश-विदेशों में कई प्रतिष्ठित अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

### झील से तीन लाख की आबादी की बुझती है प्यास, प्रतिदिन यहां से सवा इंच पानी की हो रही है आपूर्ति

## एक दशक में सबसे कम तोपचांची झील में रह गया पानी

 एक दिन छोड़कर हो रही जलापूर्ति, झील में इस समय 35.2 फीट इंच ही पानी बचा

फाइनेंसर का काम करते हैं।

 28 फीट तक है गाद, आपूर्ति के लिए मात्र सात फीट पानी

**PHOTON NEWS DHANBAD:** मानसून आने के बाद भी उम्मीद के अनुरूप बरसात न होने से नदी-तालाब एवं झील का जलस्तर लगातार गिरता जा रहा है। आधा जुलाई बीत चुका है। मौसम विभाग के अनुसार 362.4 एमएम बरसात होनी चाहिए थी, लेकिन अभी तक 225.9 एमएम ही बारिश हुई है।

इसका असर जलापूर्ति पर भी दिख रहा है। तोपचांची झील सूखने के कगार पर पहुंच गया है। झील में मात्र 35.2 फीट ही पानी



तोपचांची झील का दृश्य

बचा है। इसमें भी 28 फीट गाद है। इसे हटा दें तो मात्र सात फीट ही पानी बचा है।

सात फीट तक ही पानी की आपूर्ति की जा सकेगी। झील में जलापूर्ति के लिए मात्र दस दिन का ही पानी बचा है। पिछले वर्ष इसी समय तोपचांची झील में लगभग 70 फीट तक पानी था। तोपचांची झील से कतरास समेत आसपास की तीन लाख की आबादी को जलापूर्ति होती है। झील का जलस्तर लगातार गिरता जा रहा है। यही कारण है कि कतरास क्षेत्र में एक दिन छोड़कर जलापूर्ति हो रही है। अगले वाले

एक सप्ताह में अच्छी बरसात न हुई तो तीन लाख लोगों के समक्ष गंभीर जलापूर्ति का संकट खड़ा

पारसनाथ की पहाड़ी से झील में पहुंचता है पानी

बरसात के दिनों में पारसनाथ तथा आसपास की पहाड़ियों से झील

में पानी पहुंचता है। इसे यहां से तिलाटांड़ रिजर्वायर भेजा जाता है।

पानी शोधन के बाद आधे कोयलांचल में आपूर्ति की जाती है।

तोपचांची झील से तिलाटांड़, छाताबाद, गुहिबांध, तेतुलमारी,

सिजुआ, कतरास समेत आधे कोयलांचल में पानी की आपूर्ति होती

है। ब्रिटिश काल में बनी यह झील वर्षों से एक बड़ी आबादी की

प्यास बुझा रहा है। पारसनाथ पहाड़ तथा आसपास के पहाड़ से

ढोलकठा नाला और ललकी नाला के माध्यम से तोपचांची झील में

पानी पहुंचता है। बिना किसी इलेक्ट्रिक मशीन के सहारे पानी की

आपूर्ति की जाती है। वाटर लाइन के सहारे यहां से पानी तिलाटांड़

पहुंचता है। महेशकुंडा, ढोलकट्टा नाला, लल्कीनाला, लीची बगान,

10 नंबर, दो नंबर सहित 18 जलस्रोत से पानी पहुंचता है।

झील के जलस्तर में लगातार गिरावट के कारण अभी तो एक दिन छोड़ पानी मिल भी रहा है, इसके बाद बाद जलापूर्ति पूरी तरह से ठप हो जाएगी। तोपचांची झील से तेतुलमारी, कतरास, तिलाटांड़, छाताबाद समेत कई स्थानों पर रहने वाले वाले लगभग तीन लाख आबादी को झील से जलापूर्ति की जाती है। प्रतिदिन यहां से सवा इंच पानी की आपूर्ति की जाती है।

# GIRIDIH : झारखंड के केडिया

थाना चौक के स्थित होटल शिवम इन में बुधवार को निःशुल्क अंग प्रत्यारोपण जांच का आयोजन किया गया। इस शिविर में 200 दिव्यांगों की जांच की गई और उन्हें सहयोग प्रदान किया गया। शिविर का शुभारंभ लघु उद्योग भारती के प्रांतीय महामंत्री विजय मेवाड़ ने दीप जलाकर किया। इस शिविर में रामगढ़, रांची, हजारीबाग, बोकारो, चतरा, गिरिडीह, पलाम् सहित अन्य जिले से आये 200 दिव्यांगो के कृत्रिम अंग प्रत्यारोण को लेकर महावीर सेवा समिति के सदस्यों ने जांच की। रांची के अभिषेक रामदीन के सहयोग से दिव्यांगों की श्रवण शक्ति की जांच विशेष टीम और मशीन से की गई । इस संबंध में संस्थाके प्रांतीय महामंत्री विजय मेवाड़ ने बताया कि दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाकर उनके जीवन को प्रफुल्लित करने के ध्येय से लघु उद्योग भारती के प्रयासों से शिविर का आयोजन किया गया है।













**BRIEF NEWS** ओडिशा के राज्यपाल पहुंचे रांची, लोगों ने किया स्वागत मुहर्ग : हाय हुसैन की सदा से गूंज उठी जाफरिया मस्जिद, इंसानियत की दरसागह का नाम है कर्बला : तहजीबुल हुसैन की सदाओं के साथ निकला मातमी जुलूस



RANCHI: ओडिशा के राज्यपाल सह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास बुधवार को भुवनेश्वर से रांची पहुंचे । हटिया रेलवे स्टेशन पर पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य संजय कुमार जायसवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ता ने उनका स्वागत किया। रघुवर दास दिन भर रांची में रहने के बाद शाम में देवघर के लिए रवाना होंगे। स्वागत करने वाले में ललित नारायण ओझा, उमेश यादव, रोमित नारायण सिंह, शुभम कुमार जायसवाल, तरुण जायसवाल, रिंकू शेख, जॉनी वॉकर खान, डॉ अनिल कुमार, अंकित कुमार सिंह, रिंकू कुमार सिंह, विनय कुमार, अभिजीत कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

#### चोरी के मोबाइल के साथ एक युवक गिरफ्तार

RANCHI: रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन से मोबाइल चोरी करने वाले शातिर चोर अरबाज गद्दी को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपित के पास से ओप्पो कंपनी का एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया गया है। एएसआई एसके.जायसवाल ने बुधवार को बताया कि ट्रेन नंबर 12835 (हटिया- बैंगलोर एक्सप्रेस) को प्लेटफॉर्म नंबर 01 से रवाना हो रहा था। इसी दौरान एक व्यक्ति जनरल कोच से उतरकर बहुत जल्दी में बाहर दौड रहा था। संदेह होने पर उसे रोका और जांच करने पर उसके पास से बरामद किया गया। उसने स्वीकार किया कि वह टेन के यात्री की जेब से फोन चराया था। इसके बाद मामले में आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी हटिया को सौंप दिया गया।

#### राज्यपाल से मिले हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

RANCHI: राज्यपाल सीपी. राधाकृष्णन से बुधवार को झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डॉ विद्युत रंजन सारंगी ने राज भवन में मुलाकात की। इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया गया। राजद अनुशासन समिति

## की बैठक 19 जुलाई को

RANCHI: राजद अनशासन समिति की आवश्यक बैठक प्रदेश कार्यालय में 19 जुलाई को होगी। इस संबंध में प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने बधवार को बताया कि बैठक की अध्यक्षता अनुशासन समिति के अध्यक्ष गोड्डा के पूर्व विधायक एवं पार्टी के प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव करेंगे । बैठक में अनुशासन समिति के सभी सदस्य मौजूद रहेंगे।

#### बुधवार को अलम आया है,

लेकिन अलबदार नहीं है। या मौला या अब्बास। हुसैन जिंदा है दस्तूर जिंदगी की तरह, शाहिद मरता नहीं आम आदमी की तरह। जिससे रोशन थी मेरी बिनाई, मेरी आंखों का वो सितारा गया। दीन खुदा को आले पयमबर पे नाज है, कुरान की आयतों को उसी घर पे नाज है। ये तो मजलूम का मातम है, कम न होगा, हर घर में होगा हर दिल में होगा, ये तो मजलूम का मातम है कम न होगा। इस तरह के नौहा के साथ शिया समुदाय का मातमी जुलूस निकला।

यह जुलूस शिया आलिम दीन हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी की अगुवाई में निकला। बाद में नमाज जोहर मस्जिद मजलिस जिक्रे शहिदाने कर्बला इमाम हसैन का आयोजन किया गया। मजलिस में मरसिया खानी अशरफ हुसैन ने किया। मजलिस को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड के चेयरमैन व मस्जिद जाफरिया के इमाम व खतीब हजरत मौलाना सैयद तहजीबल हसन रिजवी ने कर्बला के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहां के कर्बला वालों की याद से इंसानियत को जिंदगी मिलती है। कर्बला इंसानियत की दरसागह(स्कूल) का नाम है। आज किसी भी देश में कोई भी धर्म का इंसान हो प्यासे को पानी



मौलाना ने कहा कि कर्बला की जंग दुनिया की पहली दहशतगरदाना जंग थी। इसमें शहीद होने वालो में 6 माह का बच्चा अली असगर भी था। कर्बला में हजरत इमाम हसैन ने चंद घंटों में 71 लाशें उठाई। 3 दिन के भूखे प्यासे इमामे हुसैन को सिमर ने शहीद कर दिया।

जिसे सुनकर पूरा मजमा रोने लगा। हाय हुसैन, हाय हुसैन की सदा मस्जिद जाफरिया में गूंज उठी। मौलाना ने कहा कि रांची की यह खुबसुरती रही है कि अहले सुन्तत के सैंकड़ों अखाड़े हमारे मातमी जलस को अपने बीच से रास्ता देते हैं। मातमी जलस मातम करते हुए आगे बढ़ जाता है। मजलिस के बाद तिरंगे के साथ अलम और ताबूत निकाला गया, जो विक्रांत चौक पहुंचने पर लोवर बाजार थाना प्रभारी और उनकी टीम ने अलम को सलामी दी।

जुलूस का संरक्षक अंजुमन जाफरिया के अध्यक्ष डॉक्टर शमीम हैदर, सचिव अशरफ हुसैन, सैयद फराज अब्बास कर रहे थे। मातमी जलस को कामियाब बनाने वालों में सैयद फराज अब्बास, सैयद शारूख हसन रिजवी, हाशिम अली, यावर हुसैन, हैदर अली, नदीम रिजवी, कासिम अली, एस एच फातमी, अशरफ हुसैन, एस जसीम रिजवी, डॉ मुबारक अब्बास, अली नवाब, अली हसन फातमी, सैयद फराज अब्बास, इकबाल फातमी, जावेद हैदर समेत सैकड़ों लोग शामिल थे।



जुलूस आगे बढ़ने पर सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के महासचिव अकील उर रहमान के द्वारा लगाए गए इंस्टॉल पर पहुंचा तो जुलूस रोक कर गुलाब पानी की बारिश की गई। जुलूस जब हनुमान मंदिर तक पहुंचा तो महानगर दुर्गा समिति के लोगो ने गुलाब जल छिड़क कर स्वागत किया। जय सिंह यादव, सागर कुमार थे। जुलूस जब आगे बढ़ते हुए डेली मार्केट चौक पहुंचा तो वहां हिंदू मुस्लिम एक साथ मातमी जुलूस का स्वागत किया। जिसमे भाजपा के तारिक इमरान, सैयद नेहाल अहमद, और कुछ देर वहां जंजीरी मातम हुआ। आजादारों ने अपने जिस्म को लहू लोहान किया। जुलूस जब अंजुमन प्लाजा पहुंचा तो अंजुमन इस्लामिया कि टीम ने स्वागत किया। जुलूस जब डॉक्टर फातुल्लाह रोड पहुंचा तो नसर इमाम, जफर अहमद, मो उमर, इंत्साब आलम, अल्ताफ, सज्जाद हैदर, अतहर इमाम, रिजवान ने गुलाब जल छिड़क कर स्वागत किया। जुलूस जब आर आर प्लाजा पहुंचा तो स्वर्गीय अमीर हुसैन

रिजवी के पुत्र एस जसीम रिजवी, एस नदीम रिजवी, अशरफ हुसैन, एस एम खुर्शीद, एस एम आसिफ आदि ने स्वागत किया। जुलूस जब कर्बला चौक पहुंचा तो हाजी माशुक, अब्दुल मनान, अकील उर रहमान, मो इसलाम और जिला प्रशासन की टीम ने गुलाब जल छिड़क कर स्वागत किया।



# आज के समय में इमाम हुसैन की कुबार्नी को समझने की जरूरत

बुधवार को हजरत इमाम हुसैन और उनके परिवार और दीगर शहीदों की याद में पांच दिवसीय जिक्र शोहदा ए कर्बला का आयोजन मस्जिदे आला हजरत अशरफी सत्तार कालोनी बरियातू रमें किया गया। मिल्लते इस्लामिया बरियात के लोग अजमते सहाबा और इमाम हुसैन की जिक्रे शोहदा ए करबला कांफ्रेंस में शामिल हुए। जिक्रे शोहदा ए करबला कांफ्रेंस में कई शहरों से आए उल्लेमा ए किराम ने अपनी अपनी तकरीरों में अजमते सहाबा, फजिलते अहले बैत, अजमते ईमाम हुसैन, मदीना से कर्बला का सफर, दास्ताने कर्बला, माबादे कर्बला और पैगामें कर्बला बयां किया। कर्बला के शहीदों की याद ताजा हो गई। कमीटी के



बताया की पहली बार हए इस कांफ्रेंस में हजरत मौलाना डा. ताजुद्दीन (एदारा ए शरिया, रांची), मौलाना सज्जाद हसैन (रामगढ). मुफ्ती शादाब मरकजी (कर्नाटक), मुफ्ती शाहिद रजा मरकजी (खतीब व ईमाम मस्जिदे आला हजरत अशरफी) और पीरे तरिकत हजरत अहकरुल (मुजफ्फरपूर) हाफिज अब्दुल मोबिन (डोरंडा), हाफिज मुस्लिम रजा (उलातू) और बुलबुले झारखंड अमजद रजा (उलात),

नाएब ईमाम हाफिज सलमान रजा, लुकमान (मोहतिमम-मदरसा मदीनतुल उलूम, उलातू) और हाफिज मुजीब वगैरह शामिल हुए। आए हुए अतिथियों का स्वागत मस्जिद आला हजरत के सचिव मो आफताब आलम ने किया। आफताब आलम ने बताया कि बुधवार 17 जुलाई (10 मुहर्रम) आशुरा के दिन जोहर के बाद कुरानख्वानी, असर के बाद फातिहा, मिलाद, सलातो सलाम और अंत में खतीब व ईमाम मुफ्ती शाहिद रजा मरकजी ने उम्मते मस्लिमा में भाईचारगी, एत्तिहाद और भारत के अमन व सुकृन के लिए दुआ की। मस्जिदे आलाहजरत अशरफी के सिक्रेट्री मो. आफताब आलम ने बताया के शाम के वक्त इफ्तार, लंगर, शीरनी और सबील का



सीआईडी ने दिल्ली से दो

साइबर टगों को दबोचा

## मैक्लुस्कीगंज में बदमाशों ने दो मजदूरों को पीटा, फायरिंग

### **PHOTON NEWS RANCHI:** राजधानी रांची के मैक्लस्कीगंज में अपराधियों ने अति संवेदनशील

माने जाने-वाले बसरिया (हरहु टोला) क्षेत्र में मंगलवार की देर रात पल के निर्माण में लगे दो मजदरों की जमकर पिटाई कर दी। बताया जाता है कि निर्माणधीन पुल के पास दो मजदुर रात में भोजन की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान पूर्व दिशा की ओर से दो नकाबपोश अपराधी घटनास्थल पर आ धमके और

मजदूरों को बंधक बनाते हुए पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान दुसरे मजदुर ने हिम्मत दिखाते हुए एक अपराधी को पकड़ लिया। इसके बाद एक अपराधी ने बचाव में हथियार निकालकर हवाई फायरिंग की और दो मजदूर दिलीप राम व गुड़ू राम को रॉड से मारकर घायल कर दिया। जाते-जाते अपराधियों ने उनके मोबाइल छीन लिये और जंगल की ओर भाग गये। सूचना मिलने के



और दोनों घायलों को अस्पताल भेजा। दोनों मजदुर लेस्लीगंज के रहने वाले हैं। इस संबंध में बुधवार

राज्य में अपराध

चरम सीमा पर

चौहान ने हेमंत सोरेन सरकार पर हमला

बोलते हुए कहा कि सोरेन सरकार ने

झारखंड में भ्रष्टाचार की पराकाष्टा कर

परिभाषा गढ़ी जा रही है। राज्य में

अपराध भी चरम सीमा पर है। उन्होंने

एनसीआरबी के आंकड़ों का उल्लेख

करते हुए कहा कि पिछले साढ़े चार

साल में 7 हजार 812 हत्याएं हुईं।

चौधरी ने बताया कि निर्माणस्थल पर बिना जानकारी दिए संवेदक ने कार्य

गयी तो ये मान लेना कि यहां के

मुलनिवासी अल्पसंख्यक हो

जायेंगे। सोरेन सरकार में

मुलनिवासियों को अल्पसंख्यक

योजनाबद्ध

तरीके

प्रारंभ किया था, जिसका लाभ अपराधियों ने उठाया है। जल्द ही कार्रवाई कर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। इससे पहले 28 मई की रात कुछ हथियारबंद अपराधियों ने घटनास्थल से थोड़ी दुरी पर स्थित रांची चामा चतरा मुख्य मार्ग पर आगजनी की घटना को अंजाम दिया था। उस वक्त सभी किसी प्रकार जान बचाकर भाग

#### निकले थे। भाजपा के साथ तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा वाली कहावत

चरितार्थ होगी : कांग्रेस RANCHI: कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति ने भाजपा नेता हिमंता विस्वा सरमा, शिवराज सिंह चौहान और लक्ष्मीकांत वाजपेयी को उनके केंद्रीय नेतृत्व ने डूब रही भाजपा की नैया को पर लगाने के लिए भेजा था, लेकिन यह पूरी तरह से झारखंड में भाजपा को डूबो देंगे। झारखंड में भाजपा के साथ तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा वाली कहावत चरितार्थ होगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से यह झारखंड में घूम-घूम कर जनता के बीच धर्मांधता का बीज बोने की कोशिश कर रहे हैं उसे जनता परिचित है और उनकी कोई कुटील चाल यहां सफल नहीं होने वाली है। शांति ने बुधवार को कहा कि बाढ़ से जुझ रही असम की जनता को राहत पहुंचाने की बजाय झारखंड में आग लगाने की कोशिश बंद करें।

#### (सीआईडी) ने राज्य के 150-200 लोगों से लगभग 4-5 करोड़ रुपये की ठगी करने के मामले में साइबर ठगी के दो आरोपियों को नई दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अमित जायसवाल नई

PHOTON NEWS RANCHI:

अपराध अनसंधान विभाग

दिल्ली के विकासपुरी थाना क्षेत्र के शंकर गार्डन का रहने वाला है। इसके पास से तीन मोबाइल फोन, तीन सिम कार्ड और ब्लाकचैन वॉलेट ऐड्रेस (जिस पर निवेशकों द्वारा पैसा भेजा गया है) बरामद किया गया है। डीजी सीआईडी अनुराग गुप्ता ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सीआईडी के साईबर क्राईम थाना में नौ नवंबर, 2023 को मामला दर्ज कराया गया था। शिकायतकर्ता ने कहा था कि इनको प्रारंभिक काल में गोल्ड बॉन्ड के माध्यम से आरोपित शशि शंकर कुमार उर्फ विक्की के जरिये मौद्रिक लाभ पहुंचाया गया, जिससे वह आरोपित पर विश्वास करने लगे। बाद में आरोपित एवं उसके एक मित्र अमित जायसवाल के जरिये शिकायतकर्ता को क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर अधिक पैसे कमाने के लिए कहा गया। इसके बाद लोग इनके झांसे में आकर अधिक से अधिक मात्रा में निवेश करने लगे। इसके लिए निवेशकों को प्राथमिक



गिरफ्तार साइबर टग। 🛮 फोटोन न्यूज निवेश पर कहे अनुसार 300 प्रतिशत तक मुनाफा वापस किया गया, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ने लगा। निवेशक लोग अन्य लोगों को भी इस मुनाफे के स्किम से लाभान्वित होने के लिए प्रेरित करने लगे। इसी क्रम में आरोपित शंकर कुमार उर्फ विक्की, अमित जायसवाल एवं अन्य सहयोगी ने झारखंड के कई शहरो जैसे रांची, बोकारो, जमशेदपुर एवं अन्य जगहो पर बड़े-बड़े कई आयोजन स्थल जैसे होटलो एवं अन्य स्थानों पर ओआरओपीएवाई कम्पनी से संबंधित अनेकों अनेक कार्यक्रम किये। अनुराग गुप्ता ने लोगों के बढ़ते निवेश को देखते हुए मामले के प्राथमिकी आरोपितों के जरिये फर्जी वेबसाईट को एक दिन अचानक बंद करते हुए निवेशकों को भारी चपत लगाई।

#### झारखंड में योजनाबद्ध तरीके से मूल निवासियों को अल्पसंख्यक बनाए जाने का चल रहा खेल : शिवराज

मैक्लुस्कीगंज पुलिस मौके पर पहुंची

## भाजपा कार्यकर्ताओं को किया गया सम्मानित

#### **PHOTON NEWS RANCHI:**

केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री और झारखंड के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को झारखंड के हटिया विधानसभा क्षेत्र में अभिनंदन सह-विजय संकल्प सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन नेताओं के स्वागत का नहीं, बल्कि कार्यकताओं के सम्मान का दिन है। भाजपा के कार्यकर्ता नींव के पत्थर हैं। कार्यकताओं से ही पार्टी को मजबूती मिलती है। आने वाले विधानसभा चुनाव में बेईमानों की सरकार को उखाड़ कर फेंकना है और झारखंड को बचाना है। शिवराज ने कहा कि



कार्यकर्ताओं को सम्मानित करते शिवराज सिंह व अन्य। • फोटोन न्यूज

कार्यकर्ता बहनों और भाइयों,

लोकसभा चुनाव की इस विजय

के बाद झारखंड के विधानसभा

चुनाव में महाविजय का संकल्प

लेना है। संकल्प विजय का नहीं महाविजय का और यह जरूरी है। जरूरी इसलिए है कि झारखंड को बचाना है। जनता को तबाही से

बचाना है। विजय इसलिए भी जरूरी है कि सरकार में विदेशी घुसपैठिए अवैध घुसपैठ कर रहे हैं और ये सरकार यदि दोबारा आ

बनाए जाने का खेल चल रहा है। दी है। प्रदेश में भ्रष्टाचार की नित्य नयी हम वोटों के लालच में झारखंड घोटालों और भ्रष्टाचार से जनता त्राहिमाम की अस्मिता के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड में नहीं होने दे सकते हैं और खतरा सामने खड़ा है। बचाना है झारखंड को। बचाना है हमारी संस्कृति को। बचाना है हमारे जीवन मुल्यों को। बचाना है हमारी परंपराओं को और इसलिए झारखंड में अब कोई सरकार आएगी तो वह केवल भाजपा की

सरकार आएगी।

#### समाचार सार

#### बंगाल क्लब में कल से सजेगी जादुई दुनिया

JAMSHEDPUR: साकची स्थित बंगाल क्लब में 19 जुलाई से जादुगर डींके भारत का मैजिक शो होगा। बंगाल क्लब में बुधवार को संवाददाता



सम्मेलन में जादूगर डीके भारत ने बताया कि शो प्रतिदिन दोपहर 1 व 4 और डायनासोर व गुरिल्ला के

साथ ऐसे-ऐसे जादू देखने को मिलेंगे, जो यहां के लोगों ने पहले नहीं देखा होगा। इस बार शहरवासी जो जादू देखेंगे, उसमें हवा में नाचती हुई छड़ी का कमाल, एक जिंदा इंसान को काटकर 3 टुकड़े करना और एक लड़की का खुंखार भेड़िया में बदल जाना होगा। इस मौके पर शहर के जादूगर किंशुक चटर्जी व प्रबंधक अतुल जोशी भी उपस्थित थे।

#### शहर में 20-21 को जुटेंगे देश भर के यूरोलॉजिस्ट

JAMSHEDPUR: झारखंड यूरोलॉजिस्ट एसोसिएशन की ओर से 20-



21 जुलाई को युरोलॉजिस्ट कांफ्रेंस होने जा रहा है, जिसमें देश भर से जाने-माने यूरोलॉजिस्ट (मृत्र व किडनी रोग विशेषज्ञ)

संवाददाता सम्मेलन में डॉ. संजय जौहरी ने गोलमुरी स्थित होटल ताज विवांता में होने वाले सम्मेलन में मत्र रोग व किडनी रोग से संबंधित तमाम जटिलताओं और इलाज की नई-नई पद्धति पर विस्तारपूर्वक चर्चा होगी। इस अवसर पर डॉ. चम्पाई सोरेन, डॉ. हिमांशू शेखर व डॉ. अंशु भी

#### नाली सफाई नहीं होने से महानंद बस्ती में आक्रोश

JAMSHEDPUR : टेल्को क्षेत्र की महानंद बस्ती में नाली की दुर्गंध से लोगों का जीना महाल हो गया है। नाली की सफाई नहीं होने से परेशान महिलाओं ने बुधवार को प्रदर्शन किया। स्थानीय निवासी मीना देवी ने



घुस रहा है। बस्ती वासियों का कहना है कि सूचना देने के बावजूद सफाई नहीं हो रही है। अगर ऐसे ही नाली जाम रहेगी, तो बरसात में डेंगू-मलेरिया का खतरा बना रहेगा। बस्ती वासियों की मांग है कि नाली की सफाई जल्द से जल्द की जाए। इस मौके पर मुन्ना देवी, सुमन साहू, वंदना, सीमा नायक, सुभारती, माला देवी, मीना देवी आदि उपस्थित थीं।

#### आनंद मार्ग के शिविर में 50 यूनिट रक्तदान

JAMSHEDPUR: आनंद मार्ग युनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल की ओर से तारकेश्वर शर्मा स्मृति में बुधवार को शिविर लगाया गया, जिसमें 50



रक्तदान धतकीडीह स्थित जमशेदपुर ब्लड सेंटर में लगे शिविर में रक्तदाताओं समेत अन्य लोगों में 100 पौधों का वितरण किया गया। इस

के जीएम संजय चौधरी, वीबीडीए के सुनील मुखर्जी, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के भविष्य कुमार शर्मा, टाटा वर्कर्स यूनियन में ट्यूब डिवीजन-टेक्नोलॉजी सर्विसेज के कमेटी मेंबर ज्ञानरंजन श्रीवास्तव ने भी रक्तदाताओं को पौधा एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में समीर सरकार, राकेश कमार सहित अन्य सदस्य सिक्रय रहे।

#### एंटीवेनम नहीं मिला, तो बंगाल में कराया भर्ती

JAMSHEDPUR : पर्वी सिंहभम जिले के बहरागोडा विधानसभा अंतर्गत पाथरा पंचायत के पाथरा गांव निवासी गिनी नायक को मंगलवार के स्वास्थ्य केंद्रों में एंटीवेनम की उपलब्धता नहीं होने पर मरीज को पश्चिम बंगाल के चिल्कीगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि मौजदा झारखंड सरकार एंटी वेनम देने में भी असमर्थ है, जबिक बरसात में सर्पदंश की घटना अक्सर हो रही है।

#### तापमान में हो सकती वृद्धि, 21 को भारी बारिश

JAMSHEDPUR: कोल्हान के तीनों जिलों समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में अगले तीन दिन तक तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हो सकती है। उसके बाद पारा फिर नीचे आ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार से लेकर 23 जुलाई तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में कहीं-कहीं मध्यम से लेकर हल्के दर्जे तक की बारिश हो सकती है। इस बीच 21 जलाई को जमशेदपर समेत कोल्हान के तीनों जिला पर्वी सिंहभम, पश्चिमी सिंहभम व सरायकेला-खरसावां तथा राज्य के विभिन्न जिलों में भी भारी बारिश होने की संभावना है। विभाग के अनुसार बुधवार को मौसम के मिजाज में बदलाव के बावजूद जमशेदपुर के तीनों जिलों में अधिकतम और न्यनतम तापमान सामान्य से अधिक रिकॉर्ड किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस अधिक 33.8 रहा. जबिक न्यनतम तापमान सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस अधिक 26.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जमशेदपुर में 3.0 मिमी बारिश दर्ज की गयी।

## धोखाधड़ी का आरोपी बरेली से गिरफ्तार, शहर ला रही पुलिस

### साकची निवासी ने दर्ज कराया था मामला

• लगभग १६ लाख का लिया था टीएमटी सरिया

**PHOTON NEWS JSR:** 

पूर्वी सिंहभूम जिला पुलिस की एक टीम ने धोखाधड़ी मामले के अभियुक्त अंशुल गुप्ता को उत्तर प्रदेश के बरेली से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे स्थानीय कोर्ट में प्रस्तुत किया और कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट के आधार पर उसे जमशेदपुर लाया जा रहा है। अब यहां उसकी पेशी कोर्ट में होगी। इस अंशुल गुप्ता के खिलाफ साकची स्थित ठाकुरबाड़ी रोड के निवासी राजेश कुमार चौधरी की ओर से अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्प ने परिवाद कोर्ट में दाखिल किया और जिसके आधार पर साकची पुलिस में प्राथमिकी दर्ज हुई। वादी राजेश चौधरी के अनुसार वह टीएमटी बार तथा

मुरी-बरकाकाना सेक्शन

में मेगा ब्लॉक, 20 व 21

JAMSHEDPUR : रांची रेलवे डिवीजन में मुरी-बरकाकाना सेक्शन पर रेलवे की ओर से मेगा

ब्लॉक लिया जाएगा। इसको लेकर

रेलवे ने कई ट्रेनों को रद्द करने का

फैसला लिया है। रेलवे ने इसको

लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी

है। अधिसूचना के अनुसार 21

को ट्रेन

08151/08152 टाटा-बरकाकाना-टाटा मेम् पैसेंजर, ट्रेन नंबर

08195/08196 टाटा-हटिया-टाटा

मेम् स्पेशल और ट्रेन नंबर

18601/18602 टाटा-हटिया-टाटा

एक्सप्रेस रद्द रहेगी। इसके अलावा

ट्रेन नंबर 08641/08642 आद्रा-

बरकाकाना-आद्रा मेमू पैसेंजर और

18085/18086 खड़गपुर-रांची-

खडगपुर मेम् एक्सप्रेस 21 जुलाई

को रद्द रहेगी। रेलवे की इस मेगा

ब्लॉक से नई दिल्ली-भूवनेश्वर

राजधानी एक्सप्रेस के रूट में भी

को रह रहेंगी ट्रेनें



गिरफ्तार आरोपी • फोटोन न्यूज

आयरन ओर का बिजनेस पूरे देश में करता है। रुंगटा स्टील चाईबासा के पदाधिकारी आलोक दास ने गोंडा उत्तर प्रदेश के आशीष गुप्ता का परिचय कराते हुए कहा था कि इन्हें टीएमटी बार चाहिए और वह इसकी आपूर्ति उन्हें करे। इतना ही नहीं आलोक दास गाडी उपलब्ध कराने वाले कमीशन एजेंट अंशुल

गुप्ता, राजाओं फरीदपुर रोड के ट्रांसपोर्टर रवींद्र सिंह, बरेली निवासी डाइवर इकरार अली. बरेली के ट्रांसपोर्टर विराज के साथ साकची स्थित कार्यालय में आया। बातें तय होने पर आशीष गुप्ता ने तीन ट्रक माल डिलीवरी का आर्डर दिया। दीपक लॉजिस्टिक के मालिक ने तीन टुक गाड़ियों के कागजात उपलब्ध कराए। तीन टुकों से माल भेजा गया। एक टुक से 15,71,703 रुपये का भेजा गया माल आशीष गुप्ता के गोदाम नहीं पहुंचा। जांच में उक्त गाड़ी के ड्राइवर का लाइसेंस और कागजात फर्जी पाया गया। राकेश चौधरी ने जब ट्रांसपोर्टर और आलोक दास से इस संबंध में शिकायत की तो उसे बदले में गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी मिली। वादी राजेश चौधरी के अनुसार योजनाबद्ध तरीके से अमानत में खयानत किया

#### टीएमएच की पार्किंग में पति-पत्नी भिड़े, लगा मजमा

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर थाना अंतर्गत टीएमएच की पार्किंग में बुधवार दोपहर उस वक्त लोगों की भीड़ जमा हो गई, जब पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। दोनों के बीच जमकर मारपीट भी हुई, जिसमें पति इस्माइल घायल हो गया। घटना के बाद इस्माइल ने अपना इलाज एमजीएम अस्पताल में कराया। इस्माइल ने बताया कि वह सिक्यरिटी गार्ड का काम करता है। साल 2004 में उसकी शादी हुई थी। पत्नी मेहरबाई अस्पताल में काम

इसी बीच उसका संपर्क पिंटू मुखी से हुआ। दोपहर को पिंटू ने उसे अस्पताल के पास बुलाया और कहने लगा कि उसकी (इस्माइल) की पत्नी से प्रेम करता है और उसी के साथ रहना चाहता है। इसी बीच पत्नी भी वहां आ गई। विवाद बढ़ने के बाद पत्नी ने इस्माइल पर ब्लेड से हमला कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर

## कदमा के आभूषण दुकान से एक दर्जन अंगूटी लेकर भागा युवक



सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा आरोपी 🛭 फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR: कदमा बाजार स्थित गुलाबचंद ज्वेलर्स में मंगलवार को बाइक से पहुंचे यवक ने दुकान से सोने की 12 अंगठी लेकर भाग गया। घटना मंगलवार दोपहर 1.25 बजे की है। जब-तक दुकानदार गुलाबचंद सोनी दुकान से निकलकर युवक की तलाश करते, वह बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। 12 अंगुठी की कीमत करीब लगभग 1.20 लाख रुपये है। इस संबंध में गुलाबचंद सोनी ने कदमा थाना में शिकायत की है। शिकायत मिलने पर कदमा थाना की पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला. जिसमें एक यवक की तस्वीर मिली है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाश की तलाश में जटी है। जानकारी मिलने

पर गुलाबचंद सोनी के घरवाले भी दुकान पहुंचे। गुलाबचंद सोनी के बेटे रवि सोनी ने बताया कि युवक लाल रंग की एवेंजर बाइक से दुकान पहुंचा था। दुकान में घुसने पर भी उसने सिर से हेलमेट नहीं निकाला। दुकान में घुसने के बाद पहले उसने सोने की अंगुठी लेने की बात कही। इसके बाद उसने कहा कि कीमत वह एटीएम कार्ड से करेगा। पापा (गुलाबचंद सोनी) ने 12 अंगुठी से भरा बॉक्स युवक को दिखाया। इसके बाद उसने सोने का चेन दिखाने को कहा। पिता चेन निकालने अंदर गए, इसी बीच बदमाश सभी 12 अंगुठी लेकर भाग गया। हालांकि उसका एटीएम कार्ड दुकान में छूट गया है। बदमाश की

## अंडर करंट से भयभीत विधायक खोज रहे आसरा : शाही

### अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा में जमशेदपुर के भाजपा कार्यकर्ता सम्मानित

• विधायक भानुप्रताप ने कहा-भाजपा सरकार बनने पर रिक्त पड़ी नियुक्तियों पर होगी बहाली

**PHOTON NEWS JSR:** भाजपा, झारखंड प्रदेश के निर्देश पर बुधवार को जमशेदपुर महानगर की ओर से जमशेदपुर पूर्वी का सिदगोड़ा स्थित टाउन हॉल और जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र की अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में हुई। सिदगोड़ा स्थित बिरसा मुंडा टाउन हॉल में पूर्व मंत्री सह भवनाथपुर के विधायक एवं भाजपा झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष भान प्रताप शाही. सांसद बिद्यत बरण महतो एवं



सिदगोड़ा टाउन हॉल में कार्यकर्ताओं का आमार जताते सांसद 🏻 फोटोन न्यूज

कांके के पूर्व विधायक डॉ. जीतू चरण राम, प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद एवं कार्यक्रम के कोल्हान सह संयोजक दिनेश कुमार भी शामिल हए। अपने संबोधन में भानु प्रताप शाही ने जमशेदपुर पुर्वी के निर्दलीय विधायक सरयू राय पर निशाना साधते हुए कहा कि झामुमो समर्थित विद्वान विधायक को उनके

ही क्षेत्र में भाजपा कार्यकताओं ने धुल चटाई है। उन्होंने कहा कि विधायक सरयू राय अपने खिलाफ अंडर करंट को महसूस कर आज पटना, रांची, धनबाद और हजारीबाग भागे-भागे फिर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक कहावत है जिस पत्तल में खाया उसी में छेद किया, पूर्वी के विधायक ने इसे ही विधायक-मंत्री बनाया उसे ही कमजोर करने में लग गए। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकताओं के परिश्रम के आगे विधायक सरयू राय अगामी विधानसभा चुनाव से पहले ही घबरा गए हैं, और घबराहट में आसरा ढूंढ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा भाजपा का गढ़ था, है

हेमंत सोरेन के कार्यकाल में 8 हजार बह-बेटियों से दुष्कर्म : भान प्रताप शाही ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भी हमला बोलते हुए कहा कि जेल से जमानत मिलते ही हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री की कुर्सी पकड़ ली। चंपाई सोरेन सोच में थे कि वे संथाली हैं और पुराने नेता हैं, उन्हें कुर्सी से नहीं हटाया

परिवार के बाहर किसी संथाली नेता पर विश्वास नहीं है, उन्होंने इसे साबित कर दिखाया। पूर्व में रघुवर दास के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में डायल 181 मुख्यमंत्री जनसंवाद केंद्र की शुरूआत की गई थी, लेकिन मुख्यमंत्री बनते ही हेमंत सोरेन ने 181 जनसंवाद को बंद कर जनता की आवाज को दबाकर अपना राजपाट शुरू करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि साढ़े चार साल में झारखंड की 8 हजार से अधिक बहन-बेटियों के साथ दुष्कर्म की घटना हुई, जिनमें साढ़े छह हजार से अधिक महिलाएं आदिवासी एवं दलित समाज की है। इस राज्य में बहन-बेटियां

बिरसानगर में फिटर

का काम करने वाले

व्यक्ति ने की आत्महत्या

JAMSHEDPUR : बिरसानगर

थाना अंतर्गत जोन नंबर-1 निवासी

55 वर्षीय जलेश्वर दास ने अपने

घर में फांसी लगाकर आत्महत्या

कर ली। घटना मंगलवार देर शाम

की है। जानकारी मिलने पर

परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को

दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर

पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के

लिए भेज दिया। जलेश्वर फिटर

का काम करता था। वह मूल रुप से

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले का

उसने ऐसा क्यों किया, परिजन इस

बारे में जानकारी नहीं दे पा रहे हैं।

## भालूबासा में सुबह से रात तक दिखा मुहर्रम का उल्लास

भालुबासा मुस्लिम बस्ती में मुहर्रम का उल्लास सबह से देर रात तक खब दिखा। मुहर्रम अखाड़ा की ओर से बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय-1 भोला प्रसाद सिंह, सीतारामडेरा थाना प्रभारी व पुलिस निरीक्षक विनय प्रसाद मंडल, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे, सीतारामडेरा थाना शांति समिति के सदस्य रामबाब् सिंह, चंद्रशेखर मिश्रा, जसपाल सिंह, शंभू मुखी डूंगरी, संजय नंदी, संतोष कुमार आदि को मुहर्रम अखाड़ा कमेटी की ओर से पगड़ी एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर अखाड़ा के खिलाड़ियों ने हैरतअंगेज खेलों का प्रदर्शन एवं खिचड़ा, लंगर, शर्बत आदि का



वितरण किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि मुहर्रम के इस मौके पर सीतारामडेरा थाना क्षेत्र में हिंदू-मुस्लिम का एकता की मिसाल पेश की गई।

सभी जाति-धर्म के लोग आज एकजुट होकर पूरे शहर में मुहर्रम के त्योहार को भाईचारा के साथ मना रहे हैं। आयोजन को सफल बनाने में भालूबासा मुस्लिम

अंजुमन कमेटी सदर अध्यक्ष सऊद खान. सेक्रेटरी कमाल कोषाध्यक्ष रजीब खान, अखाड़ा कमेटी के मोहम्मद इलियास, मोहम्मद अकील, जियाउद्दीन रहमान, मोहम्मद कैफ, रहमान चौधरी, मोहम्मद अरशद सहित काफी संख्या में बस्तीवासी

टेल्को में हजरत इमाम हसैन को किया गया याद JAMSHEDPUR : टेल्को स्थित बारीनगर, साबरी चौक पर महर्रम की दसवीं

पर हजरत इमाम हसन का याद में बारीनगर मुहर्रम कमेटी के तत्त्वाधान में फातेहा ख्वानी और लंगर ख्वानी का एहतेमाम किया गया। इस अवसर पर काफी संख्या में बस्ती के लोग शामिल हुए। मौके पर मौजूद खलीफा आलमताज ने कहा कि मुहर्रम

हमें इमाम हुसैन की कुबार्नी को याद दिलाता है। इस अवसर पर उपस्थित मुहर्रम कमिटी के अध्यक्ष गुड्डू हैदर ने कहा कि मुहर्रम हमें त्याग व बलिदान की याद दिलाता है। मुहर्रम को हम नबी के नवाशे हजरत इमाम हुसैन की कुबार्नी की याद में मनाते हैं। इस अवसर पर मो. नसीम, मो. फिरोज, इनामूल इस्लाम, आमिर हसन, सैयद नासिर, मो . मुमताज, मो . शमशाद आदि लोग उपस्थित थे।

#### मानगो में मुहरेम के अवसर पर खूब बंटा लंगर

JAMSHEDPUR : मुहर्रम की दसवीं के अवसर पर मानगो ओल्ड पुरुलिया रोड नंबर आठ वितरण किया गया। इस दौरान इमाम हुसैन के नाम पर फातिहा



कि जलेश्वर ने फांसी लगा ली है।

रहने वाला था। वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ बिरसानगर में किराए के मकान में रहता था। उसकी पत्नी कल्याणी दास दूसरों के घरों में काम करती है। कल्याणी ने पलिस को बताया कि वह काम करने गई थी। बच्चे बाहर गए थे। देर शाम जब वह घर लौटी तो देखा

में यवाओं के तरफ से एक विवंटल लंगर और शर्बत का

शहादत समेत कई युवाओं ने मिलकर इस लंगर के आयोजन को सफल बनाया।

इंदिरा नगर और कल्याण नगर में १५० घरों को तोड़े जाने का मामला

## राजनीतिक रोटी सेंकने से बाज आएं नेता : सरयू राय

PHOTON NEWS JSR: पूर्व मंत्री एवं जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने भुइयांडीह के इंदिरा नगर और कल्याण नगर स्थित 150 घरों को टूटने से बचाने के लिए विभिन्न दलों से राजनीतिक रोटी न सेंकने की अपील की है। उन्होंने इंदिरा नगर और कल्याण नगर को राजनीतिक पर्यटन स्थल न बनाने की भी अपील की है। सरयू राय ने कहा है कि अगर सभी दलों को इन 150 घरों को टूटने से बचाने की चिंता है, तो उन्हें एक मंच पर आना चाहिए। उन्हें एक नागरिक समिति बनाने की पहल करनी चाहिए। राय ने कहा कि जब सभी का मकसद एक है, सभी इन 150 घरों को टूटने से बचाना चाहते हैं, तो अपनी डफली, अपना राग छोड़कर एक मंच पर आना होगा। वह

#### फेसबुक लाइव में विधायक ने कहा

- मकान टूटने से बचाने की चिंता है तो सभी दलों को एक मंच पर आना चाहिए
- सांसद लोकसभा में इस मुद्दे को उढाएं, मैं विधानसभा में उटाऊंगा जनहित मामलों को पहले समझना
- जरूरी, बयानबाजी से कुछ नहीं होगा • मुख्य सचिव से हलफनामा दिलवायें सत्ताधारी

दल के एक भी मकान तोड़े नहीं जाएंगे

गुरुवार को इस चुनौतीपूर्ण कार्य के संबंध में पहल करेंगे। बुधवार को यहां फेसबुक लाइव में राय ने कहा कि जो दल सत्ता में हैं, वे मुख्यमंत्री से निर्देश दिला कर एनजीटी को दिए जाने वाले हलफनामे में यह लिखवा दें कि कोई घर नहीं ट्टेगा। अगर ऐसा हो जाता है तो इससे

बेहतर क्या होगा। राय ने कहा है कि अगर ऐसा नहीं होता तो राजनीतिक बयानबाजी छोड़ कर लोगों को एक मंच पर आना चाहिए। जनहित के मामलों में कोई राजनीतिक हित नहीं देखा जाना चाहिए। घरों को टूटने से बचाने के लिए हर पार्टी के लोग इंदिरा नगर विधायक सरयू राय और कल्याण नगर जा रहे हैं। वहां लोगों से कह रहे हैं कि वे एक भी घर टूटने नहीं देंगे। कई नेता उपायक्त से मिल रहे हैं, तो कुछ लोग मंत्री से मिल रहे हैं। दरअसल इन्हें यह समझना होगा कि मामला क्या है। उन्होंने बताया है कि यह मामला न तो मंत्री स्तर का है और

मामला एनजीटी का है, जो सुप्रीम कोर्ट के समतुल्य है। जो भी होना है, वह एनजीटी के माध्यम से ही होना है। एनजीटी ने झारखंड के मुख्य सचिव को एक हलफनामा फाइल करने को कहा है, जिसमें यह उल्लेख होना चाहिए कि पुरा मामला क्या है और राज्य सरकार इसमें क्या चाहती है? राज्य के मुख्य सचिव विगत 15 जुलाई को इस संबंध में एक बैठक कर चुके हैं। उस बैठक से किसी किस्म की रियायत की उम्मीद नहीं दिखी। फेसबुक लाइव में सरयू राय ने कहा कि उन्होंने एक सकारात्मक प्रयास करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता संजय उपाध्याय से इस संबंध में बात की। उन्होंने बताया है कि वह इस मामले को देखेंगे और कोई

न ही उपायुक्त के स्तर का। यह

#### इनर व्हील जमशेदपुर की अध्यक्ष सारिका सिंह ने संभाला पदभार



JAMSHEDPUR : इनर व्हील क्लब ऑफ जमशेदपुर ने 29वां इंस्टॉलेशन समारोह बुधवार को मेरीन ड्राइव सोनारी स्थित उडुपी रेस्टोरेंट में मनाया। दुनिया भर में ४००० क्लबों के साथ 100 देशों में 1,20,000 से अधिक सदस्यों के साथ इनर व्हील ने 100 साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष २०२४-२५ अलकनंदा बख्शी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस दौरान निवर्तमान अध्यक्ष अर्चना शंकर ने क्लब की कमान सारिका सिंह को सौंप दी। क्लब की उपाध्यक्ष बबीता शर्मा, सचिव एग्नेस बॉयल ने कोषाध्यक्ष ज्योति भगत, संपादक रक्षा मकाती और आईएसओ बिद्या तिवारी के साथ कार्यभार संभाला। क्लब ने इंटरनेशनल इनर व्हील की अध्यक्ष ममता गुप्ता द्वारा दी गई इनर व्हील थीम 'मानवता के लिए दिल की धड़कन' पर जोर दिया।

## बिना वित्त अधिकारी के चल रही जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी

# **PHOTON NEWS JSR:**

वीमेंस यूनिवर्सिटी के वित्त अधिकारी डॉ. जावेद अहमद का कार्यकाल खत्म हो चुका है। उनका कार्यकाल 6 जुलाई तक ही था। उसके बाद से यूनिवर्सिटी का कामकाज वित्त अधिकारी के बगैर ही चल रहा है। जानकारी के अनुसार कार्यकाल समाप्ति के दिन यूनिवर्सिटी प्रशासन को इसकी जानकारी मिली। इसके बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों से भी जवाब-तलब बताया जाता है कि यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से राजभवन को इसकी जानकारी देते हुए नए वित्त

अधिकारी की नियुक्ति का आग्रह

किया गया है। नए वित्त पदाधिकारी

के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की

ओर से तीन नामों की अनुशंसा की

गई है। इसमें डॉ. जावेद अहमद का



नाम भी शामिल है। वित्त अधिकारी नहीं होने की विश्वविद्यालय में शिक्षक व कर्मचारियों के वेतन भुगतान नहीं हो

इसके अलावा अन्य वित्तीय कामकाज भी ठप है। विश्वविद्यालय की अनुशंसा के बाद अब शिक्षकों व कर्मचारियों को नये वित्त अधिकारी की नियुक्ति का इंतजार है।





## इंसाफ व शांति का पैगाम देता है मुहर्रम : विधायक

PHOTON NEWS RANCHI: सकता। चान्हो प्रखण्ड के सांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि हमारे मेला में बुधवार को बतौर समाज में सभी धर्मों का हर एक त्योहार कोई ना कोई ऐसा संदेश देता है जो सभी के लिये बहुत अधिक महत्वपूर्ण है और यदि हम धर्म में बताये हुए मार्ग पर चले तो हम सभी के बीच कहीं, कभी कोई मतभेद पैदा ही नहीं हो संदेश देती रहेगी।















मेरिका में सर्वोच्च पद पर

बैठे लोगों को निशाना

के खिलाफ 'तानाशाह' जैसी

#### Thursday, 18 July 2024

### जम्मू-कश्मीर में हिंदू मंदिरों की पुनर्प्रतिष्टा का सदियों का संघर्ष आखिरकार हुआ विजित

इतिहास में एक लम्बा संघर्ष का दौर चलता है। ये वर्षी-बरस का संघर्ष है। कई पीढ़ियां गुजर गईं इस आस में कि कभी तो न्याय मिलेगा। और अचानक से अब देखो, न्याय मिलने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ा है। यदि भविष्य में भी सब कुछ ठीक रहा तो सदियों के गहरे घाव समय के साथ भर जाएंगे। जम्मू-कश्मीर में फिर एक बार वही प्राचीन संस्कृति एवं ज्ञान धारा का प्रवाह दिखाई देगा, जिसकी स्थापना ऋषियों ने वर्षों तक गहरी साधना के बाद इस धरती पर की थी। जम्मू का उल्लेख भारत के हर हिन्दू घर में सदियों से देवपूजा में गुंजता रहा है, फिर इससे कोई फर्क नहीं पडता कि वह हिन्द भारत के किस क्षेत्र में निवास करता है, अपने असीतत्व और पूर्वजों की लम्बी शृंखला को नमन करते हुए लिया जाने वाला हर संकल्प जम्मुद्वीप के भरतखण्ड से शुरू होता है। निश्चित ही इससे जम्मू-कश्मीर के अति प्राचीन महत्व को सहज ही समझा जा सकता है। कश्मीर का नामकरण कश्यप ऋषि के नाम पर हुआ है। कश्यप ऋषि कश्मीर के पहले राजा थे। कश्मीर को उन्होंने अपने सपनों का राज्य बनाया। कैस्पियन सागर से लेकर कश्मीर तक ऋषि कश्यप के कुल के लोगों का ही सर्वत्र राज फैला हुआ था। उनकी एक पत्नी कद्रु के गर्भ से नाग वंश असीतत्व में आया, जिनमें प्रमुख आठ नाग हुए-अनंत (शेष), वासुकि, तक्षक, कर्कोटक, पद्म, महापद्म, शंख और कुलिक। कश्मीर में इन नागों के नाम पर ही अनंतनाग जैसे स्थान हैं। फिर हाल में अखनूर से प्राप्त हड़प्पा कालीन अवशेषों तथा मौर्य, कुषाण और गुप्त काल की कलाकृतियों से जम्मू के प्राचीन इतिहास की गहराइयों का पता चल ही जाता है। राजतरंगिणी तथा नीलम पुराण की कथा के अनुसार कश्मीर की घाटी कभी बहुत बड़ी झील हुआ करती थी। कश्यप ऋषि ने ही यहां सबसे पहले अपना वह प्रयोग किया जिसके कारण से झील का पानी हटा और यह क्षेत्र एक मनोरम प्राकृतिक स्थल में बदल गया। जहां मनुष्यों को बसाया जाना संभव हुआ। इतिहास के पन्नों में यहां शैव और बौद्ध दर्शन का व्यापक प्रभाव दिखाई देता है। कश्मीर के हिन्दू राजाओं में ललितादित्य, अवन्तिवर्मन जैसे अनेक राजा हुए हैं, जिनका राज्य पूर्व में बंगाल तक, दक्षिण में कोंकण, उत्तर-पश्चिम में तुर्किस्तान और उत्तर-पूर्व में तिब्बत तक फैला था। साहित्यकारों और संस्कृत आचार्यों की लंबी परंपरा यहां देखने को मिलती है । प्रसिद्ध वैयाकरणिक रम्मत, मुक्तकण, शिवस्वामिन और कवि आनंदवर्धन, रत्नाकर, भीम भट्ट, दामोदर गुप्त, क्षीर स्वामी, रत्नाकर, वल्लभ देव, मम्मट, क्षेमेन्द्र, सोमदेव, मिल्हण, जयद्रथ हों या कल्हण जैसे संस्कृत के अपार विद्वानों की एक लम्बी परम्परा भारत को इसी कश्मीर की देन है । कुल मिलाकर जम्मू-कश्मीर की एक सांस्कृतिक, भौगोलिक और अति प्राचीन हिन्दू विरासत है, जिसे कि आगे नष्ट करने के अनेक प्रयास हुए। कहना होगा कि कश्मीर में इस्लाम के आगमन के बाद जैसे यहां सब कुछ बदलना शुरू हो गया था। इस्लाम या मौत चुनाव किसी एक का ही किया जा सकता था। कई लोग पहाड़ों में छिपते-छिपाते रहे तो कई अनुनय-विनय से तो कुछ अपने शक्ति-पराक्रम के बल अपने धर्म की रक्षा करते रहे, लेकिन शाह हमादान के समय में जो यहां इस्लामीकरण शुरू हुआ वह आगे सुल्तान सिकन्दर के वक्त तक आते-आते अपने चरम पर पहुंच चुका था। कश्मीर के लिए यह वह दौर था, जब यहां की संस्कृति बलात बदली जा रही थी, इस काल में हिन्दुओं को बड़ी संख्या में इस्लाम कबूल करवाया गया और इस तरह धीरे-धीरे कश्मीर के अधिकतर लोग मुसलमान बन गए। समय बीतने के साथ कई पीढ़ियां अपने मूल असीतत्व को भूल गईं और इस्लाम अब इनके सिर पर चढ़कर बोलने लगा था। यहां के लिए यह युग सनातन हिन्दू संस्कृति के लिए उसके ह्रास का युग था। मंदिर नष्ट किए जा रहे थे। साहित्य और संस्कृति के प्राचीन ज्ञान खजाने से जुड़ी पाण्डुलिपियां जलाई जा रही थीं। ऐसे में यहां प्राचीन सनातन परंपरा को माननेवाले हिन्दुओं और विदेशी धरती से आए इस्लाम के बीच संघर्ष जारी था और तभी इसी संघर्ष के बीच राजा रणजीत सिंह ने 15 जून 1819 को कश्मीर में सिख शासन की स्थापना की और गुलाब सिंह को जम्म-कश्मीर का शासन सौंप दिया, लेकिन रणजीत सिंह की मृत्यु के बाद पैदा हुई परिस्थातियों में एक नया दौर अंग्रेजी सत्ता का भारत में आया। तब जम्मू के राजा गुलाब सिंह की सत्ता सदर उत्तर में कराकोरम पर्वत श्रेणी तक फैली हुई थी। उत्तर में अक्साई चिन और लद्दाख भी इस राज्य के अंतर्गत था। इसके साथ ही कहना होगा कि बीच में कई मस्लिम शासकों के बाद भी महाराजा रणबीर सिंह, राजा रंजीत देव, डोगरा शासक राजा मालदेव से लेकर यहां के अंतिम शासक महाराजा हिर सिंह 1925 से 1947 तक का हिन्दू साम्राज्य देखने को मिला। लेकिन इसके बाद भी यहां बसे हिन्दुओं पर इस्लाम का अत्याचार अभी भी बीच-बीच में उभर कर सामने आ ही रहा था । स्वतंत्र भारत में जम्मू-कश्मीर से बहु संख्या में हिन्दुओं विशेषकर पंडितों का पलायन, उन पर हुए क्रूर अत्याचार से इतिहास भरा पड़ा है। केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा यहां से अनुच्छेद 370 हटाने तक की स्थिति में जो कुछ भी हुआ है, उसके अनेक दस्तावेज आज पबलिक डोमेन में मौजूद हैं। फिर भी कुल मिलाकर जम्मू-कश्मीर की शताबिदयों तक की कहानी यही कहती है कि अनेक संघर्षों और इतिहास से परी तरह से हिन्द सांस्कृतिक शब्दावली एवं परम्परा मिटाने के सिदयों चले आततायी प्रयासों के बाद

## ट्रंप पर हमला और मोदी-राहुल कनेक्शन



🗷 डॉ. मयंक चतवेर्दी

लोकतांत्रिक देश अमेरिका की तरह ही भारत में भी राजनीतिक हिंसा का इतिहास पुराना है। भारत ने भी समय-समय पर राजनीतिक हिंसा के शिकार हुए अनेक श्रेष्ट, योग्य और अनुभवी लोगों को खोया है। भारत को स्वाधीन हुए अभी छह महीने भी पूरे नहीं हुए थे कि महात्मा गांधी की हत्या ने दुनिया को हिला दिया जैसे भारत में भूचाल आ गया, उसके बाद कई लोग राजनीतिक रूप से शिकार बनाए गए। जिसकी की सूची बहुत लम्बी है। फिर भारत जब पाकिस्तान को युद्ध के मैदान में करारी शिकस्त देकर दुनिया के सामने अपनी ताकत का लोहा मनवा रहा था, तभी वह घटना घटी जिसने एक बार संपूर्ण देश में शोक की लहर दौड़ा दी थी। दरअसल, पाकिस्तान सेना ने भारत के चंबा सेक्टर पर हमला बोला, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने भारतीय सेना को पंजाब से मोर्चा खोलने का आदेश दे दिया।

बनाकर राजनीतिक हिंसा का इतिहास पुराना है। अब तक चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों की हत्या हो चुकी है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जब पेसिंलवेनिया में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे. तभी कम से कम पांच राउंड गोलियां चलीं। भीड़ के शोर के बीच टंप अपना दाहिना कान ढंकते हुए जमीन पर लेट गए। फिर कुछ मिनट बाद सुरक्षाकर्मियों की घेराबंदी में ट्रंप खड़े हुए तो उनके दाहिने गाल पर खन की धार बहती दिख रही थी। ट्रंप खुशकिस्मत हैं जो बच गए। लोकतांत्रिक देश अमेरिका की तरह ही भारत में भी राजनीतिक हिंसा का इतिहास पुराना है। भारत ने भी समय-समय पर राजनीतिक हिंसा के शिकार हुए अनेक श्रेष्ठ, योग्य और अनुभवी लोगों को खोया है। भारत को स्वाधीन हुए अभी छह महीने भी परे नहीं हुए थे कि महात्मा गांधी की हत्या ने दुनिया को हिला दिया था। इस एक हत्या के बाद जैसे भारत में भूचाल आ गया, उसके बाद कई लोग राजनीतिक रूप से शिकार बनाए गए। जिसकी की सूची बहुत लम्बी है। फिर भारत जब पाकिस्तान को युद्ध के मैदान में करारी शिकस्त देकर दनिया के सामने अपनी ताकत का लोहा मनवा रहा था, तभी वह घटना घटी जिसने एक बार संपूर्ण देश में शोक की लहर दौड़ा दी थी। दरअसल, पाकिस्तान सेना ने भारत के चंबा

सेक्टर पर हमला

तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर

शास्त्री ने भारतीय सेना को पंजाब

से मोर्चा खोलने का आदेश दे

दिया। परिणाम यह हुआ कि

भारतीय सेना ने सितंबर 1965 में

लौहार तक के क्षेत्र को अपने

आधीन कर लिया था, ऐसे में

बोला, तो

गुहार लगाने पहुंचा, जिसके बाद 23 सितंबर 1965 को यूएन के हस्तक्षेप के परिणाम स्वरूप भारत ने युद्धविराम की घोषणा कर दी थी और यहीं से एक नई कहानी ताशकंद की शुरूआत होती है। सोवियत संघ के तत्कालीन प्रधानमंत्री एलेक्सेई कोजिंगिन ने दोनों देशों के बीच समझौते की पेशकश की थी। उन्हीं के कहने पर 10 जनवरी 1966 का दिन ताशकंद में समझौते के लिए तय किया गया और इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का 11 जनवरी की रात में रहस्यमयी परिस्थितियों में निधन हो गया। उजबेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में हुई उनकी मौत को लेकर कहा जाता है कि हार्ट अटैक से नहीं उन्हें जहर दिया गया था। उनकी मौत का रहस्य अभी भी बना हुआ है। किंतु शास्त्री की मौत ने भारत को अंदर तक हिला दिया था। इस मौत के बाद वस्तुतः स्वाधीन भारत में हुई राजनीतिक हत्याओं में तीसरा सबसे बड़ा नाम इंदिरा गांधी का है। उन्होंने पंजाब में आतंकवाद खत्म करने के लिए ऑपरेशन ब्लुस्टार चलाया, जिसमें कि आतंक का

नेतृत्व कर रहा भिंडरावाला मारा

रही कि इंदिरा प्रियदर्शनी गांधी, भारत की तीसरी प्रधानमंत्री को 31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री निवास में उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों ने गोलियां से छलनी कर दिया। इसके बाद देश के प्रधानमंत्री बने राजीव गांधी भी हत्या के शिकार हुए, उनकी हत्या के पीछे लिट्टे का हाथ होना सामने आया । इन अहम हत्याओं के साथ ही देश में कई चर्चित राजनीतिक हत्याएं होना समय-समय पर सामने आता रहा है, किंतु बात यहां जो शुरू हुई है, ट्रंप पर हुए हमले के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी- नेता प्रतिपक्ष राहल गांधी के कनेक्शन की, तो इस बात की गंभीरता ऊपर वर्णित राजनीतिक हत्याओं और उसके लिए उकसानेवाले कारणों में खोजा जाना वर्तमान में अति आवश्यक हो गया है। वस्तुतः यह खोज हर उस स्तर पर आवश्यक है आखिर कैसे देश के सर्वोच्च पद पर बैठे किसी व्यक्ति की सुरक्षा में चूक की जा सकती है। सभी को वह दृश्य याद आता है, जिसके कि फुटेज तक मीडिया ने दिखाए कि किस तरह से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा को पंजाब में हल्के में लिया गया था । आखिर क्यों राहुल गांधी जो स्वयं आज एक

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आम जनता को हिंसा करने के लिए बार-बार उकसा रहे हैं। ऐसे में उनसे यह जरूर पूछा जाना चाहिए कि यदि कोई अनहोनी होती है, तो क्या वे इसकी जिम्मेदारी स्वयं लेंगे वस्तुतः भारतीय जनता पार्टी के सूचना एवं प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्रंप पर हमले की गांधी द्वारा निंदा किए जाने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट करते हुए आज सभी का ध्यान इस ओर दिलाया है, यह अच्छी बात है कि मालवीय ने इस मामले में सभी को पहले से ही आगाह किया है, यहां इनके कहे शब्दों की गंभीरता अब हम सभी को समझनी होगी। उन्होंने कहा, ₹तीसरी बार फेल हए राहल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ हिंसा को अक्सर प्रोत्साहित किया है और उन्हें जायज ठहराया है। भारत कैसे भूल सकता है कि कांग्रेस के नेतृत्व में पंजाब पुलिस ने जानबृझकर प्रधानमंत्री की सुरक्षा से समझौता किया था, जब उनका काफिला एक फ्लाईओवर पर फंसा हुआ था। अमित मालवीय ने राहुल गांधी के पूर्व के कुछ बयानों को जोड़कर तैयार किए गए एक वीडियो को साझा करते हुए यह भी बताया है कि राहुल गांधी ने मोदी

बयानबाजी की है और ट्रंप के आलोचक डेमोक्रेट नेता और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन भी यही करते हैं। यानी कि जब नेता आम जनता को हिंसा के लिए उकसाते हैं, तो उसकी परिणति इसी प्रकार टंप पर हुए हमले के रूप में होती है या भारत समेत दनिया के किसी भी हिस्से में हुई राजनीतिक हत्या और हिंसा के रूप में सामने आती है। अमेरिका में भी आज यही सामने आ रहा है कि हत्या के प्रयास के बाद ट्रंप के कई समर्थकों ने यह महसूस किया है और वे यह खुलकर बोल भी रहे हैं कि उन (ट्रंप) के प्रतिद्वंद्वियों द्वारा उन्हें (ट्रम्प को) बदनाम किए जाने से उनके खिलाफ नफरत का माहौल पैदा हो गया है और यह नफरती माहौल पैदा किया जा रहा है, जिसका कि परिणाम गोलीबारी के रूप में अभी सब के सामने आया है। ट्रंप के विरोधियों (आलोचकों) ने तर्क दिया है कि लोकतंत्र (ट्रंप की वजह से) खतरे में है। यही भारत में आज प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ होता हुआ दिखाई देता है, यहां भी विपक्ष मोदी के खिलाफ 'संविधान खतरे में है' का नारा लगाकर एक झठा नैरेटिव गढने में लगा है। जिसके कि राहल गांधी अगुवा हैं। अमित मालवीय के शब्दों में कहें तो अमेरिका में नस्ल की तरह जाति को भारतीय समाज में दरार पैदा करने के लिए हथियार बनाया गया। विरोधियों को खलनायक की तरह पेश करना और उन्हें तानाशाह कहना भी संयोग नहीं है। वास्तव में, खतरनाक विचार वालों की टोली ने पहली बार लोकतांत्रिक रूप से चुने गए विश्व के शक्तिशाली नेताओं का वर्णन करने के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया, जिन्हें वह नियंत्रित करने में विफल रहे

#### गया, लेकिन उसकी परिणति यह जिम्मेदार पद पर बैठे हैं, वे संविधान हत्या दिवस की आवश्यकता क्यों?

कसभा चुनाव के दौरान गठबंधन ने एक झुठा नैरेटिव व्यापक स्तर पर चलाया था कि अगर केंद्र में नरेन्द्र मोदी इस बार 400 सीटों के साथ सरकार बनाने में सफल हो जाते हैं तो संविधान बदल दिया जाएगा तथा भविष्य में फिर कोई चुनाव नहीं होगा। इस झूठ ने चुनाव को प्रभावित किया और भाजपा अकेले पूर्ण बहुमत नहीं ला पाई। चनाव के बाद संसद के प्रथम सत्र में इंडी गठबंधन के नेता संविधान के पॉकेट साइज संस्करण को लहराते दिखाई दिए। संविधान की सुरक्षा को लेकर देश में तीखी राजनीतिक बहस चल रही है। राहुल गांधी, अखिलेश यादव और शशि थरूर आदि ने संविधान के इसी पॉकेट साइज संस्करण को हाथ में लेकर शपथ ली। विपक्ष का इरादा आगामी विधानसभा चुनाव में भी संविधान की रक्षा करने का नैरेटिव चलाने का है, क्योंकि अब उसे लग रहा है कि संविधान, आरक्षण और लोकतंत्र

ही भाजपा का विजय रथ रोका जा सकता है। संविधान की रक्षा के नाम पर दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों आदि को भाजपा से दूर किया जा सकता है। इस वर्ष देश को कांग्रेस द्वारा आपातकाल के अंधेरे में झोंकने के भी पचास वर्ष हो रहे हैं । संविधान के पॉकेट साइज संस्करण को लहराते लोगों को वास्तविकता का स्मरण कराते हुए संसद के प्रथम संक्षिप्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मर्म, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल को याद करते हुए कांग्रेस सहित संपूर्ण विपक्ष को आईना दिखा दिया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में आपातकाल को सबसे बड़ा काला अध्याय बताया था। आपातकाल कांग्रेस व उसके सहयोगियों की एक दुखती रग है। लोकसभा अध्यक्ष आपातकाल की भर्त्सना का प्रस्ताव लाए और सदन में दो मिनट का मौन रखा। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश की राजनीति सबसे काले अध्याय आपातकाल से वर्तमान और भारी पीढियों को अवगत कराने के लिए अब केंद्र सरकार ने प्रतिवर्ष 25 जुन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेते हुए इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी है। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय है, क्योंकि जन सामान्य जिसने आपातकाल का दौर नहीं देखा उसे पता होना चाहिए कि संविधान बदलना और उससे खिलवाड़ करना वास्तव में क्या होता है, जो कांग्रेस ने आज से पचास साल पहले किया था। संविधान हत्या दिवस अधिसचना आने के बाद अब हर वर्ष 25 जून को कांग्रेस के काले कारनामे जनता को याद दिलाए जायेंगे स्वाभाविक है इससे कांग्रेस और इंडी गठबंधन असहज है। और अनापशनाप बयानबाजी कर रहा है। प्रियंका गांधी वाडा से लेकर शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे गुट के संजय राऊत तक सभी बहुत ही विकृत बयान दे रहे हैं। इनका कहना है कि जिस घटना को 50 वर्ष हो चुके हैं भाजपा उसे

क्यों याद रखना चाहती है? इनका तर्क माने तो फिर स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस भी नहीं मनाना चाहिए क्योंकि उसके तो पचहत्तर वर्ष बीत गए हैं ? कुतर्क कांग्रेस वास्तविकता यह है कि 25 जून हर उस व्यक्ति और परिवार के घाव पर मरहम लगाने और स्मरण करने का दिन है जो इंदिरा गांधी की सत्ता लोलपता के लिए लगाए गए आपातकाल की क्रूरता का पीडित है। इंदिरा गांधी ने अपनी कर्सी बचाने के लिए जिस तरह संविधान का गला घोंटा था वह संविधान की हत्या के रूप में ही याद किया जा सकता है। उस दौरान देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को परी तरह से छीन लिया गया था। लाखों लोगों को बिना कारण जेल भेज दिया गया था। जेल में लोगों पर क्रर अमानवीय अत्याचार किए गए थे। लाखों परिवारों को आपातकाल में अथाह दुःख सहन करना पड़ा था। इस दौरान सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेताओं ने भयंकर भ्रष्टाचार किया

और देश की संपत्ति को अंग्रेजों और मुगल आक्रमणकारियों की तरह लूटी गई। चाहे फिल्म और संगीत जगत रहा हो या समाचार जगत या फिर राजनीति कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा था जहां आपातकाल के अत्याचार न पहुंचे हों। डर और कुंठा के उस माहौल को क्यों भूल जाना चाहिए? देश को पता चलना चाहिए कि आपातकाल और तानाशाह क्या होता है जिससे कोई भी व्यक्ति कभी भी इंदिरा गांधी जैसी हरकत दोबारा न कर सके। जो सबसे जघन्य अपराध संविधान के साथ हुआ वह था उसकी आत्मा की हत्या करके उसकी प्रस्तावना में पंथ निरपेक्ष और समाजवाद शब्द जोड़ा जाना, यह तुष्टीकरण का सबसे घृणित उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हिटलर कहने वाली कांग्रेस की रग-रग में तानाशाही भरी है। एक समय था जब कांग्रेस समाज के हर वर्ग को अपनी इच्छा के अनुरूप ही नियंत्रित करती थी फिर वह चाहे कार्यपालिका हो, न्यायपालिका या

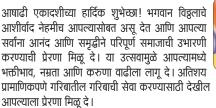
राज्यों में गैरकांग्रेसी सरकारों को ताश के पत्तों के घर की तरह गिरा दिया जाता था। कांग्रेस ने केवल 25 जन को ही संविधान की हत्या नहीं की अपितु कई अवसरों पर संविधान का गला घोंटा। गांधी परिवार ने कई बार देश की न्यायपालिका के आदेशों को खारिज करवाया जिसमें शाहबानो प्रकरण की चर्चा अभी भी हो रही है। कांग्रेस के आपातकाल में सबसे अधिक संविधान संशोधन किए गए थे और जमकर मुस्लिम तुष्टिकरण का खेल भी खेला गया। राहुल गांधी अपने पूर्वजों की राह पर चलते हुए वर्तमान समय में भी तानाशाही रवैया अपना रहे हैं और देश में अराजकता का वातावरण बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अठारहवीं लोकसभा के के प्रथम सत्र में देश के इतिहास में पहली बार प्रधानमंत्री को बोलने से रोकने के लिए गजब का हंगामा किया गया। नेता प्रतिपक्ष ने स्वयं सांसदों को वेल में जाकर हल्ला मचाने

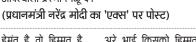
## Social Media Corner

भी हर बार यही देखने में आया कि हिन्दू सनातन संस्कृति यहां भस्म

में से भी पुनः-पुनः उठ खड़ी हुई है ।

सच के हक में





हेमंत है तो हिम्मत है.... अरे भाई किसको हिम्मत है अपराधियों को या चोरों को या राज्य संरक्षण में पल रहे हिम्मत वाले गुंडों को। झारखंड में अपराधियों का खौफ इतना बढ़ गया है कि झारखंड की जनता के पास दो ही उपाय बचते हैं- या तो जान दे देने का या रंगदारी देने का। गठबंधन सरकार में दबंगों का आतंक और साहस इतना बढ़ गया है

कि वह सिर्फ अब धमकी भर नहीं देते हैं बल्कि रंगदारी न देने वालों को मौत के घाट तक उतार रहे हैं। सरकार और उसकी पुलिस चुप है क्योंकि रंगदारी का बड़ा हिस्सा उनको भी प्राप्त हो रहा है, लेकिन क्या प्रदेश की जनता ने इसलिए गढबंधन सरकार को चुना था ताकि वो अपराधियों के साथ हाथ मिलाकर जनता के साथ ही अपराध, हत्या और रंगदारी को अंजाम दें। प्रदेश के लोगों की जान अब अपराधियों और दबंगों के हाथों में है, सरकार का हाथ अपराधियों के माथे पर है, अब ऐसे में प्रदेश में कोई भी कैसे सुरक्षित रह सकता है। अब वक्त आ गया है अपराधियों को सरंक्षण देने वाली इस सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने का, ताकि लोगों का तथा झारखंड का भविष्य सुरक्षित रह सके।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

# भू-राजनीतिक

तनावों, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनिश्चितता तथा आपूर्ति शृंखला में अवरोधों के बावजुद भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर सर्वाधिक है। निवेश, वाणिज्य एवं वित्तीय प्रवाह को देखते हुए ऐसा लगता है कि भविष्य में भी वृद्धि दर कमोबेश वर्तमान स्तर पर बनी रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस संभावना के आधार पर आशा जतायी है कि भारत जल्दी ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा। आर्थिक उपलब्धियों में तकनीक के बढ़ते उपयोग का महत्वपूर्ण योगदान है। आज डिजिटल भुगतान और लेन-देन सामान्य व्यवहार बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया है कि एक ऐसा समय था, जब कुछ राजनेताओं का मानना था कि भारत में लेन-देन में डिजिटल व्यवस्था कारगर नहीं हो सकती है। आधुनिक तकनीक के बारे में ऐसी आधारहीन धारणाएं गलत

साबित हो चुकी हैं। तकनीक ने



गतिशील अर्थव्यवस्था

पारदर्शिता के साथ-साथ भुगतान प्रक्रिया को बहुत सरल भी बना दिया है। यूपीआई और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्कर अर्थव्यवस्था को समावेशी भी बनाया है। इससे आर्थिक गति बढ़ाने में स्वाभाविक रूप से बड़ी मदद मिल रही है। यही बात स्टार्टअप के साथ लागू होती है। अर्थव्यवस्था बढ़ने का सीधा अर्थ है औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों का विस्तार। इसका नतीजा यह होता है कि रोजगार के नये-नये मौके बनते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल में आये अध्ययनों के आधार पर कहा है कि पिछले तीन-चार वर्षों में आठ करोड़ रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले रिजर्व बैंक के प्रकाशित डेटाबेस में जानकारी दी गयी है कि देश में रोजगार वृद्धि की दर वित्त वर्ष 2023-24 में छह प्रतिशत हो गयी, जो 2022-23 में 312 प्रतिशत थी। इस डेटाबेस में यह भी बताया गया है कि वित्त वर्ष 2020-21 से 7 । 8 करोड़ रोजगार सृजित हुए हैं।

विकास के साथ-साथ रोजगार की स्थिति के बेहतर होते जाने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी आश्वासन दिया है कि अपने तीसरे कार्यकाल में केंद्र सरकार तिगुनी गति से काम करेगी। इससे यह संकेत मिलता है कि विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों की प्रक्रिया जारी रहेगी। सरकार उत्पादन से संबंधित प्रोत्साहन योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं के उत्पादन को बढ़ावा दे रही है, जिससे निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। साथ ही, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नियमों में बदलाव कर नये क्षेत्रों को शामिल किया गया है। विदेशी कंपनियों को साझा उत्पादन के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इन प्रयासों से देश ने रक्षा उत्पादन में बड़ी छलांग लगायी है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को रोकने एवं प्रदुषण में कमी लाने के लिए स्वच्छ ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

शिक्षण, प्रशिक्षण और कौशल

## दहशत के खिलाफ

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सोमवार रात आतंकियों से मुठभेड़ में एक कैप्टन समेत चार जवानों की शहादत ने फिर से यह उजागर किया है कि आतंकवाद के खिलाफ लडाई जितनी मश्किल है. उतनी ही आवश्यक भी है। पिछले करीब चालीस दिनों में 12 जवान और 10 आम नागरिक विभिन्न आतंकी वारदातों व मृठभेड़ों की भेंट चढ चुके हैं। साफ है, घाटी में सुरक्षा बलों की सक्रियता से बौखलाए आतंकी अपने दुस्साहस से अब राज्य के उस खित्ते में दहशत पैदा करना चाहते हैं, जिसे हालिया वर्षों में अपेक्षाकृत शांत माना जाता रहा है। डोडा भी इसी जम्मू संभाग का एक जिला है। अभी चंद रोज पहले कठुआ में फौजी वाहन पर आतंकी हमले में पांच फौजी शहीद हुए थे। हालांकि, घने जंगलों का फायदा उठाकर आतंकी तब बच निकले थे। इस बार सर्च ऑपरेशन जारी है। सुरक्षाकर्मियों की परेशानी यह है कि जम्मू खित्ते के रिहाइशी इलाकों में आबादी काफी घनी है और वन क्षेत्र इतने सघन हैं कि उनकी हवाई निगरानी मुमिकन नहीं। ऐसे में, दहशतगर्दों की पहचान करने और उन्हें घेरने में काफी कठिनाई होती है। डोडा वारदात की जिम्मेदारी लेने वाले ह्यकश्मीर टाइगर्सह्न जैसे आतंकी संगठनों की ताजा बौखलाहट की एक बड़ी वजह जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली को लेकर बढ़ी सरगर्मी है। राज्य में लोकप्रिय सरकार के गठन के लिए अगले चंद महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, आतंकियों की बेचैनी समझी जा सकती है कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में घाटी में लोग मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़े.और दशकों पुराना रिकॉर्ड टूटा, अगर विधानसभा चुनाव में लोगों का उत्साह और बढ़ा, तो जिन ह्यस्लीपर सेल्सह्न की बदौलत वे दहशत का अपना पूरा कारोबार चलाते हैं, वे भी मुख्यधारा के प्रति आकर्षित होकर, उनके खिलाफ हो सकते हैं और फिर उनके सफाये में बहुत वक्त नहीं लगेगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

### Violence has become a part of US polity

THE political consequences of the assassination attempt on former US President Donald Trump will be huge and they will benefit him immensely. Of great import is Trump's instinctive and combative response to the attack. As he was encircled by Secret Service agents, with blood streaking down his face, he raised his right fist, shouting "Fight. Fight".Images of a bloodied and angry Trump with a fist clenched, and an American flag fluttering behind him, have gone viral and will become iconic in the campaign. The presidential contest had already been plunged into turmoil just two weeks ago when Joe Biden's performance in the presidential debate raised questions about his ability to run an effective campaign. It has been Trump's signature approach to put himself across as a martyr and victim of persecution on account of the legal cases against him. Now, his close shave with death will

add to the notion of martyrdom. By seizing the news cycle, the Trump assassination attempt could have the inadvertent effect of stilling the campaign for the removal of Biden as the Democratic nominee following the debate debacle. The Trump campaign would like nothing better than that. The shooting will complicate the Biden campaign. In the past week, the President said he would now focus directly on Trump and his view was that he remained the best candidate to beat him. Indeed, his rhetoric that "it's time to put Trump in a bullseye" is now being retailed by some Republicans as a call to violence against their candidate. JD Vance, a potential vicepresidential candidate for the Republicans, posted that this was not an isolated incident but the inevitable consequence of the Democratic rhetoric that Trump was "an authoritarian fascist who must be stopped at all costs". The reality is that violence has become a part of American political life. The courts have not helped by loosening controls on the availability and ownership of guns. An attempt to ban assault weapons like the Colt AR-15 that was used to target Trump lasted just 10 years and faced repeated challenges in court. Currently, certain states ban such weapons through their own legislation; Pennsylvania, where the incident occurred, is not among them. It is largely with such weapons that mass shootings are carried out; in July, there has already been one other shooting, leading to five deaths. In 2023, there were 604 shootings, leaving 754 people dead and nearly 2,500 injured. To say that the US Supreme Court has been unhelpful here would be an understatement.In recent years, violence has dogged the US election process since the January 6, 2021, Capitol riot, when Trump's supporters sought to overturn the result of the election that was won by Biden. Nine people died in the mayhem before the insurrection was suppressed and for which Trump faces charges.

The current American polity is deeply divided. A Pew Research Centre poll has found that nearly two-thirds in each party believe that those in the other are immoral, dishonest and close-minded.

That Trump's rhetoric is inendiary is no secret. In an interview in March, he declared that there would be a 'bloodbath' if he lost in November; later at a rally, he repeated: "Now if I don't get elected... it's going to be a bloodbath for the country." In March 2023, he had warned of "potential death and destruction" if he was charged by the Manhattan district attorney for the case in which he was later convicted. There are numerous instances of his threats that "there will be riots in the streets", "bedlam in the country" if he was wronged. His followers have spoken of violence against migrants, foreigners and people of non-White races. Indeed, after his May conviction on 34 felony counts, pro-Trump websites were flooded with calls for riots, revolution and violent retribution. There has been a political pattern in the violence of recent years. In 2017, Steve Scalise, Republican House Majority Whip, was shot at during a baseball game by an anti-Republican gunman, who was shot dead. In 2018, a Florida man mailed pipe bombs to critics of then President Trump.

## Subtle seizure of Russian assets by West limits diplomatic solution

The seizure of Russian assets will make the global financial transaction system subservient to international political currents.

THE Western bloc, including more than two dozen countries, is fighting a proxy war against Russia by providing weaponry and strategic, financial and logistical support to Ukraine. It has also attempted to destabilise Russia's financial situation through economic, financial and trade sanctions. In March 2022, the European Union (EU), Japan and the Group of Seven (G7) froze some 300 billion euros (\$323 billion) of Russian central bank assets to retaliate against Moscow's invasion of Ukraine.

Now, they have initiated a new battle by subtly seizing frozen Russian assets. The US and other G7 countries have agreed to provide Ukraine with a \$50-billion loan to help it acquire weapons and begin rebuilding damaged infrastructure. The loan will be repaid in about 30 years, using the interest earned on frozen Russian assets.

The rationale for utilising the interest income earned from Russian assets is based on the international legal doctrine of reprisals. However, this doctrine is truly applicable when a state inflicts harm on another, and the injured and specially affected party can undertake proportional counter-measures against the offender. Ukraine, being directly involved in the war, rightly exercised this right and seized about \$880 million in Russian-owned property and businesses within its borders in May 2022. Surprisingly, this doctrine is also being applied by the parties that are not directly affected by the Russian invasion in Ukraine. It weakens the

rules-based order that Western governments claim to be defending all the time. This measure had been taken under duress as Western leaders are fearing difficulties in future funding to Ukraine and seeking alternative solutions. The G7 nations and their allies are convinced that the Western aid to Ukraine is morally, legally and strategically urgent. But the foreign aid to fund the Ukraine war has remained politically entangled for a long time in both the EU and American politics. The EU leaders met a few times in 2023 to secure additional funding for Ukraine. In December 2023, Hungarian Prime Minister Viktor Orban vetoed the proposal of 50billion euro (\$54 billion) aid to Ukraine. Since then, the EU has been attempting to bring Hungary in line with this issue. In February this year, Hungary finally agreed to the proposal after a coordinated, behind-the-scenes pressure created by other

member countries. Hungary holds the rotating presidency of the Council of EU this year and Viktor Orban may create hurdles in future funding to Ukraine. The US also faced a political challenge for further funding as House Republicans insisted on new border security policies that President Biden was unwilling to support, creating a political stalemate. Biden's proposal to provide \$61.5 billion to Ukraine was passed in April after months of hardright resistance. Ukraine faces significant threats to its ability to continue its fight and is now losing ground. The US has vehemently proposed the onetime seizure of the total Russian assets parked in the EU and the US to finance the war. But most of the frozen Russian assets are in the Brussels-based depository Euroclear and other European financial



institutions. However, the European allies did not agree to this and chose an alternative approach that they suppose is milder. But it is essentially an indirect seizure. Undoubtedly, this measure will lock Russian assets for 30 years. But it will not affect Russia economically in a significant way. Russia has had a substantial current account as well as trade surplus in the last three years that has helped it to replenish a substantial portion of the frozen assets. Sacrificing the interest on the assets parked outside will have insignificant additional effects. But it will have a profound impact on the global financial system and diplomacy. Biden did release the frozen Iranian assets in exchange for five US hostages in September last year. Likewise, the unlocked Russia's frozen assets could have been potentially utilised as a bargaining tool during negotiations to end the war. But that negotiating leverage is almost

gone now. Even if the frozen assets are used as a bargaining chip, Russia will demand back the interest earned from the frozen assets, and who will pay that? Even if Russia gets \$300 billion after 30 years, its present value is just \$50 billion (as calculated by using the economics tool 'time value of money' assuming 6 per cent discount rate and annual compounding).In 2023, Ukrainian Ambassador to Canada Yuliya Kovaliv, while hailing the proposed legislation for seizing foreign assets, in a message to the Canadian Institute for the Administration of Justice's annual conference in Ottawa, wrote, "You need to remember, most of these assets are corrupt assets, are assets of Russian oligarchs that got their huge fortune by being close to the Putin regime, by using the taxpayers' money

for their personal interests or the interests of their companies."

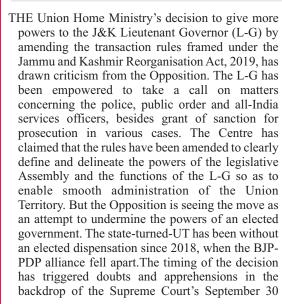
The US and its allies agreed with this narrative and acted in a veiled manner to acquire Russian companies' assets (along with state assets), holding them responsible for Putin's actions. Similarly, Russia can acquire public and private property belonging to its opponent states and their citizens as a countermeasure. The US and its allies are trying to end the war by exerting economic pressure on Russia. The policy is to destabilise Russia through economic and financial sanctions along with the

continuous arming of Ukraine, virtually giving a goaway to diplomacy to contain the war. Economist Jeffrey Sachs puts it like this: "There has been a complete collapse of the diplomacy between US and Russia — instead of focusing on the policy, Biden focuses on personal vis-à-vis President Vladimir Putin. Recently, he referred to President Putin as 'a crazy SOB'." In the press conference following the NATO summit in Washington, Biden described Putin "a murderous madman on the march".

The seizure of the Russian assets will make the international financial transaction system untrustworthy and subservient to global political currents. Russia is already holding Western countries responsible for initiating and prolonging the war. Adding another dimension to the war will expand it to a new level, limiting the possibility of a diplomatic solution.

## J&K L-G's powers

Leave no scope for doubts, discord





deadline for holding the Assembly elections. Questions are also being raised about the restoration of J&K's statehood, for which the Centre is yet to spell out a timeline despite the court's order to expedite the process. With the security situation deteriorating in the wake of a spate of terror attacks, the government may find it tough to conduct free, fair and peaceful elections. The onus will be on the L-G to take all stakeholders along during the entire

Repeated confrontations between the Delhi L-G and the Chief Minister have severely impacted governance in the Capital in recent years. The Centre would do well to avoid implementing such a disruptive model in J&K, whose residents affirmed their faith in democracy with an encouraging turnout in the recent Lok Sabha polls. It's time for a new beginning for the people of the trouble-torn region. The potentially new dawn should not be marred by discord and disharmony.

## Operational doctrine needed to defeat proxy war

A national strategy must be formulated so as to make it cost-prohibitive for Islamabad to continue with the misadventure.

SINCE April this year, there has been a spike in terror attacks in the Jammu region. In reference to these encounters, Jammu and Kashmir (J&K) DGP RR Swain said, "A war has been imposed upon us but every terrorist in J&K will be killed." However, this war has now gone on unabated for over three decades, orchestrated by Pakistan as part of its national doctrine. India has been dealing with this menace as state-sponsored terrorism from across the border. It was in the early 1980s that Pakistan began to fuel militancy in Punjab to bleed India, having successively failed in conventional wars. The Pakistan army arranged a safe haven for the militants, providing training, arms and financial support. The decade-long militancy was ultimately defeated due to extensive coordinated operations by the security forces, coupled with a favourable groundswell. Victory came at a heavy price, both by way of bloodshed and in financial terms. Punjab was devastated and is yet to fully recover.

Given the success in Punjab, the Pakistan military top brass was convinced that its sacred mission to wrest Kashmir could be achieved through 'non-state actors'. The success of jihadis in defeating a superpower in Afghanistan reinforced the belief. Accordingly, Pakistan's 'Deep State' launched the proxy war in J&K in 1989-90, contemplating a local uprising, an exodus of minorities, rendering the civil apparatus defunct and defeating the security forces through irregular warfare. Though terrorists initially gained the upper hand, by the mid-1990s, the Indian Army was able to stabilise the situation. While normalcy was a far cry, the danger of the Kashmir valley slipping away had been averted. In the initial stages, the foreign outfits — mainly Lashkar-e-Taiba (LeT) and Jaish-e-Mohammed (JeM) — were the mainstay of the proxy war, the Valley being the main

focus. Even around early 2000, when I was commanding a formation in the Valley, foreign terrorists had a viable presence in Baramulla and south Kashmir.In September 1998, although India and Pakistan agreed to hold a composite dialogue which included issues such as terrorism and narcotics, Gen Pervez Musharraf, the then Chief of

Army Staff, had different plans. Pakistan continued to use the jihadi groups to undertake calibrated operations, often changing the modus operandi. India's response remained largely defensive, with no concrete measures to target terrorist infrastructure in Pakistan. A nexus between local politicians, terrorists and Pakistan's ISI (Inter-Services Intelligence) remained intact.

Following the 'Ceasefire Agreement' (CFA) on the Line of Control (LoC) in 2003, it became easier for Pakistani handlers to infiltrate terrorists into J&K. There was also a shift in Pakistan's strategy to lend a local touch to the proxy war by involving groups like the Hizbul Mujahideen. Given its nuclear capability, Pakistan has succeeded in significantly constraining India's conventional options. The Pakistan perception was reinforced during the 1999 Kargil conflict as India's response was rather

India's approach to cross-border terrorism remained reactive, marked by restraint, although public opinion was often for strong military action against Pakistan, especially after the terror attacks at Parliament in 2001 and Mumbai in 2008. The Pakistan army has been able to regulate the proxy war and keep the Indian security forces engaged while imposing substantial costs, knowing that India lacks effective deterrence. The Pakistan assumption did get

challenged when India undertook surgical strikes For Pakistan, the proxy war against India is a lucrative across the LoC in 2016 and the air strike at Balakot in 2019. Thereon, Pakistan's approach has been to avoid major actions so as to obviate retaliation.

With the abrogation of Article 370 in 2019 and reorganising of J&K into two union territories, the situation in the Valley has shown a marked



improvement. Consequently, Pakistan changed its strategy by shifting the operations from the Kashmir valley to the south of the Pir Panjal — the Jammu region — after almost two decades. Over the last three years, the Rajouri-Poonch region has witnessed a series of terror strikes, with the security forces suffering significant losses. The recent incidents in Reasi, Doda, Kulgam and Kathua are the handiwork of the LeT and JeM, with the Resistance Force and Kashmir Tigers being the respective front faces of these outfits. The continued proxy war underscores the fragility of the situation in the region.

option. It offers high returns at a minimal cost. Rawalpindi has shown flexibility to exploit vulnerabilities across the Indian borders and the hinterland. Hence, India must accept this reality and shed the notion of perceiving it to be just cross-border terrorism. Further, it must stop dealing with the

situation in piecemeal binaries — North-South of the Pir Panjal and LoC-IB sectors — as also the notion that the Pakistani designs can be defeated by reactive tactical operations.It is imperative for India's security planners to formulate a national strategy encompassing politico-diplomatic-economic measures to make it cost-prohibitive for Islamabad to continue with the misadventure. The collusion between Pakistan and China needs to be factored in as the latter is now a stakeholder in the game. Alongside, there is an immediate requirement to formulate an integrated 'counterproxy war doctrine', which should be multidimensional, encompassing operations across the LoC to destroy terrorists' launch pads and target Pakistani posts assisting infiltration at the LoC, to create a conducive environment and

favourable ecosystem. The CFA needs to be abrogated as it provides immunity to the Pakistan army against punitive actions by the Indian security forces.

n J&K, since 1990, around 6,480 security personnel have lost their lives and about 38,720 civilians have been killed (including an unspecified number of terrorists). Evidently, India has paid a heavy price. It is time to replace the existing format with a prudent strategy and operational doctrine to defeat the Pakistan-sponsored proxy war. Else, we are destined to continue to suffer the fait accompli.

#### NITI Aayog reconstituted; 15 ministers, BJP allies part of it

NEW DELHI: The Narendra Modi-led NDA government on Tuesday reconstituted NITI Aayog, which has four full-time members and 15 Union ministers, including from BJP allies, as either ex-officio members or special invitees. Prime Minister Narendra Modi remains the chairperson and economist Suman K Bery will continue to be the vice-chairperson of NITI Aayog, as per the official notification. Scientist V K Saraswat, agricultural economist Ramesh Chand, paediatrician V K Paul and macro-economist Arvind Virmani will continue to be full-time members of the government think-tank.

Four ex-officio members will be Rajnath Singh (Defence), Amit Shah (Home), Shivraj Singh Chouhan (Agriculture) and Nirmala Sitharaman (Finance).

The Prime Minister has approved revised composition of the NITI Aayog, the notification said. The special invitees in the reconstituted NITI Aayog will be Union ministers Nitin Gadkari (Road Transport and Highways), Jagat Prakash Nadda (Health), among

#### Bajaj Auto net profit rises 18% to Rs 1,942 crore in June quarter of Fy25



NEW DELHI: Bajaj Auto on Tuesday said its consolidated profit after tax increased 18% to Rs 1,942 crore for the first quarter ending June 30, 2024, aided by robust sales across domestic and export markets.

The automaker had reported a profit after tax of Rs 1,644 crore in the same quarter of last fiscal. Total revenue from operations rose to Rs 11,932 crore for the first quarter as against Rs 10,312 crore in the year-ago period, Bajaj Auto said in a regulatory filing. On a standalone basis, the company reported a PAT of Rs 1,988 crore, an increase of 19% as compared with Rs 1,665 crore in the same period of last fiscal. Revenue from operations rose to Rs 11,928 crore as against Rs 10,310 crore in the June quarter of FY24.

The company said its total sales stood 11,02,056 units in the first quarter as against 10,27,407 units, an increase of 7%. It sold 6,90,621 units in the domestic market in the first quarter, an increase of 8% over 6,41,556 units in the year-ago period. Exports increased 7% year-onyear at 4,11,435 units in the June quarter as agaist 3,85,851 units in the April-June quarter of last fiscal. Bajaj Auto said profit was driven by better realisation and cost reduction which more than offset the drag from the growing electric two-wheeler business.

#### NCLT admits insolvency proceedings against Byju's

BENGALURU. The National Company Law Tribunal (NCLT), Bengaluru bench, on Tuesday admitted an insolvency petition filed by the Board of Control for Cricket in India (BCCI)against edtech firm Byju's over a Rs 158 crore debt.Byju's, reached its peak valuation of \$22 billion in 2022, has to face insolvency proceedings.

The bench has appointed Pankaj Srivastava as an interim resolution professional to oversee the functions of the company. According to sources, Byju's is planning to challenge the order at National Company Law Appellate Tribunal (NCLAT). "As we have always maintained, we wish to reach an



amicable settlement with the BCCI and we are confident that, despite this order, a settlement can be reached. In the meantime, our lawyers are reviewing the order and will take necessary steps to protect the Company's interests," a spokesperson from Byju's said.Both BCCI and Byju's entered into a team sponsor agreement in 2019, and in 2022, Byju's made payment in full only against one invoice for the year 2022-2023. The edtech firm failed to make payments against the remaining invoices raied by the BCCI for the financial year 2022-23. The NCLT dismissed an application by the edtech firm to refer the matter to arbitration. "It is abundantly clear as laid down by the Apex Court that the Adjudicating Authority has to either reject or admit the application and cannot postulate a third option. In this matter, the application U/s 9 of the IBC has been admitted by the Order passed today, therefore, the application for referring the matter for Arbitration is not maintainable," the order said. Apart from BCCI, Oppo has also filed an insolvency plea against the firm. The edtech company has settled an insolvency case with Surfer Technologies and Teleperformance recently. Previously the NCLT had issued notices to Byju's parent Think and Learn in three cases due to claims of unpaid dues.

## ITR Filing 2024: What happens if you fail to verify income tax return

Income tax return filing: ITR verification can be done through various methods such as Aadhaar OTP, net banking, or by submitting a physical ITR-V

New Delhi. Filing your Income Tax Return (ITR) is just a part of the entire tax filing process. To complete it, you must verify your ITR within a specified timeframe, typically 30 days, for it to be considered valid. Verification can be done through various methods such as Aadhaar OTP, net banking, or by submitting a physical ITR-V form. Once you verify your ITR, the Income Tax Department will review it, and you may receive an intimation notice under Section 143(1) via email. This notice will confirm the

processing status and detail any tax liabilities or refund amounts.

The government offers multiple options for ITR verification and a significant number of taxpayers opt for online verification (everification) soon after filing their returns. The primary reason for this preference is that online verification serves as the final step in completing the ITR filing process.

#### Consequences of not verifying ITR

Without verification, your ITR is deemed invalid and will not be processed by the How to e-verify ITR? Income Tax Department, leading to delays, penalties, or even notices from the department.Online verification is the most convenient method, offering several benefits: it occurs instantly, eliminating the wait associated with postal mail and ensuring prompt processing of your return. Additionally, there's no need to print, sign, and mail the ITR-V form.

This not only reduces paper usage but also ensures that your return is successfully

submitted and ready for assessment.

There are multiple methods available for online verification, allowing you to choose based on your preference.

The common online verification methods include Aadhaar OTP, which requires your PAN, acknowledgment number (received post-filing), and a registered Aadhaar linked to a mobile number, and the e-filing portal will send an OTP for verification. Another method is the Electronic Verification Code (EVC), which can be generated via a pre-

validated bank account method or a prevalidated demat account. Some banks also offer the option to generate EVCs through ATMs, though this is less

#### Deadline for ITR verification

The Central Board of Direct Taxes (CBDT) has revised the time limit for ITR verification to 30 days from the previous 120-day period, beginning from the date of return submission. Not verifying your ITR within 30 days may invalidate your return, potentially causing processing delays, late filing penalties, or even tax liabilities if tax is owed. To avoid these issues, taxpayers should prioritize online verification immediately after submitting their ITR.Avoid waiting until the last minute to minimise the risk of missing the deadline. Choose the online verification method that suits you best, whether it's Aadhaar OTP, EVC, or net banking.

Having your details prepared will streamline the process and ensure your ITR is valid and processed promptly.

**Budget 2024: This** 

## Budget 2024: Insurance sector's wishlist for FM Nirmala Sitharaman

New Delhi. Finance Minister Nirmala Sitharaman took part in the 'Halwa' ceremony, marking the final stage of the Budget preparation process for Union Budget 2024-25 on Tuesday. The Monsoon Session of Parliament begins on July 22, with Budget 2024 to be presented on July 23. The insurance sector, like many others, has high hopes and specific expectations from Finance Minister Nirmala Sitharaman.Industry experts have voiced their opinions, highlighting key areas they believe should be addressed in this budget to ensure the sector's growth and enhance its contributions to the economy.

Tarun Chugh, MD & CEO of Bajaj Allianz Life Insurance, shared his insights on the economic landscape and the insurance sector's potential.

He pointed out, "Over the past decade, India has achieved remarkable economic growth, with GDP consistently exceeding 6% and surpassing many global economies. As we approach this budget, we anticipate measures that will sustain and simultaneously accelerate this long-



term growth, benefiting individuals and businesses alike, with a strong emphasis on job creation.'

Chugh highlighted the importance of addressing inflation to secure a robust financial future for individuals. Lower inflation would increase disposable income, allowing citizens to save and invest more towards their long-term goals and financial security.A significant part of these investments could be in life insurance products. Despite the sector's potential, life insurance remains under-penetrated in India. Chugh suggests that lower GST on life insurance products could make them more attractive. He also

recommends aligning life insurance annuities or pension products with the National Pension Scheme (NPS), allowing an additional deduction of Rs 50,000 or more under Income Tax for these products. This alignment would encourage more people to secure their post-retirement financial needs through life insurance annuities or pension products.Furthermore, Chugh proposes the introduction of Long Term Capital Gain taxability for all high-value traditional life insurance plans (with an annual premium of more than Rs 5 lakhs). This move would bring uniformity and tax efficiency for insurance customers, making life insurance products competitive with other financial products in the market.

Rakesh Goyal, Managing Director of Probusinsurance.com, echoed similar sentiments. He highlighted the industry's long-standing demands, stating, "The Union Finance Budget is around the corner, and like every time, the insurance industry has certain expectations from the government and

## change to old income tax regime can provide relief to New Delhi Finance Minister Nirmala

Sitharaman is set to present the Union Budget 2024 on July 23, and as usual, a key demand amongst citizens is for tax relief. While reports indicate that the government may introduce measures to enhance the appeal of the new income tax regime, tax gime, which offers the advantage of deductions.A proposal by BankBazaar aims to provide tax relief to millions of middle-class taxpayers. The proposed changes to the old income tax regime involve adjusting the income tax slabs to account for inflation, a move that could greatly benefit many. Under the current old tax regime, the tax structure has remained unchanged since 2013. The existing slabs tax are — income from Rs 2.5 lakh to Rs 5 lakh at 5%, from Rs 5 lakh to Rs 10 lakh at 20%, and any income above Rs 10 lakh at 30%. Bank Bazaar proposes that the 30% tax slab be adjusted upwards to Rs 18 lakh, reflecting inflation adjustments over the

This adjustment would provide considerable relief compared to the existing Rs 10 lakh threshold, which has been in place for over a decade. How will it help taxpayers opting for old tax regime? The BankBazaar Primer for Budget 2024 highlights the necessity of updating the 20% and 30% tax slabs for the old regime. The Cost Inflation Index shows a significant rise from 200 in 2012-13 to 363 in 2024-25, an 81.5% increase, underlining the need for these adjustments.

Persistent inflation in recent years has further escalated the index, making it imperative to update the old slab rates without further delay.

The proposed income tax slab adjustments aim to address the erosion of real income and the excess taxes paid by taxpayers due to the frozen slab rates. For example, under the current old regime, taxpayers earning Rs 10 lakh are paying Rs 43,226 in excess taxes, which amounts to Rs 3,602 per month.

For an income of Rs 20 lakh, excess taxes paid are Rs 1.84 lakh in the old regime and Rs 67,978 in the new regime. The old regime, favoured by many for its numerous deductions including rent, loan payments, insurance premiums, and tax-saving investments, has not been adjusted for inflation since 2013.As a result, taxpayers are shouldering higher tax burdens while facing rising living costs.BankBazaar's proposal seeks to correct this imbalance by adjusting the slabs and enhancing specific deductions.

### Stampede-like chaos at Mumbai Airport loader recruitment drive with 25,000 applicants for 2,200 vacancies

MUMBAI. A few days after a RBI report painted a rosy picture about jobs in India, a recruitment drive for airport loaders led to a stampede-like situation at Mumbai airport on Tuesday. According to a report, over 25,000 applicants turned up for a shot at the 2,216 vacancies, and the staff of Air India Airport Services Limited struggled to manage the massive crowd.Air India Airport Services Limited provides ground handling services at major airports in India.

Visuals showed the applicants jostling with each other to reach the form counters. Reports said the applicants had to wait for hours without food and water, and many of them started feeling unwell, according to NDTV.

Airport loaders are tasked with loading and unloading luggage on aircraft and



operating baggage belts and ramp tractors. Each aircraft needs at least five loaders to handle luggage, cargo and food supplies. The salary of airport loaders ranges between ? 20,000 to ? 25,000 a month, but most make over? 30,000 after overtime allowances. Educational criteria for the job are basic, but the candidate must be physically strong, NDTV said.It may be recalled that recently a stampedelike situation was witnessed after about 800 persons turned up for walk-in

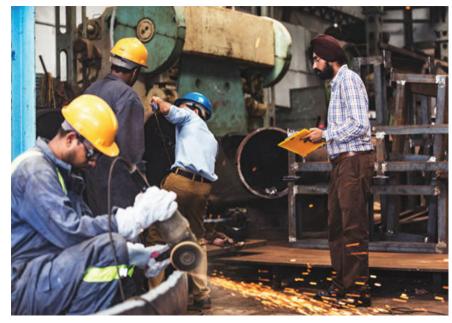
interviews held by a firm for 40 vacancies in Ankleshwar in Gujarat's Bharuch district. Videos of a massive queue, marked by pushing and shoving as aspirants tried to get a toehold on a ramp leading to the entrance of a hotel where the interview was being held, went viral on Thursday on social media. The railing of the ramp finally collapsed, leading to several job-seekers falling off, though no one was injured, a PTI report said. According to a recent RBI data, the country added 4.67 crore jobs in FY24. Presently, there are 64.33 crore provisional jobs, up from 59.67 crore in FY23.The RBI report suggested that India's employment grew by 6% in FY24 from 3.2% in FY23. When the Modi 3.0's budget is presented on July 23.

## Govt should rationalise customs duty in budget to boost domestic manufacturing: Industry body

Chamber suggested reviewing the Income Tax Act 1961 in its entirety and simplify the provisions, underlining its complexity over the years due to amendments and resulting rise in legal cases. And directed the government not to impose tax on dividends.

New Delhi. The Indian Chamber of Commerce (ICC) has suggested the government to rationalise customs duties in various sectors including steel, solar battery, aluminum, and lithium cells in a bid to boost domestic manufacturing.

Finance Minister Nirmala Sitharaman is scheduled to present the Union Budget for financial year 2024-25 on July 23.



ICC President Ameya Prabhu said protective measures are needed for the growth of domestic industry in sectors including steel, solar battery, aluminum, and lithium cells."There is a need for rationalization of customs duty in these

specific sectors in a holistic manner. Huge potential is there to boost domestic manufacturing and make India a global hub for manufacturing," Prabhu said. While adding that taxes on raw materials impact domestic players particularly the

the domestic industry has been facing severe losses as there is anti-dumping duty on raw materials whereas the finished goods are not subject to any duties on imports from China. He also asked for correction in inverted duty structure by cutting down duty on mixed petroleum gas from 5 % to 2%.He emphasized that, there is a need to increase duty on polymers - polyvinyl chloride, polyethylene terephthalate, polypropylene and polyesters to 10 per cent for improve domestic manufacturing .This will help in reducing import dependency and will drive India towards self-sufficiency in the petrochemical manufacturing segment. On the taxation side, the chamber has suggested setting up a commission to review the Income Tax Act 1961 in its entirety and simplify the provisions, stressing that over the years amendments have made the act complex to understand and the resulting anomalies have given rise to a large number of legal

cases. And directed the government not to

impose tax on dividends.

Talking about the importance of the aluminium foil sector, the President said

## Kanchanjunga express accident was 'waiting to happen', probe points to lapses

The probe report by the Commissioner of **Railway Safety on** the accident involving the Kanchanjunga express and a goods train found lapses at multiple levels in managing train operations.

New Delhi: The Commissioner of Railway safety has said the Kanchanjunga express accident involving a goods train was "waiting to happen" due to lapses at multiple levels in managing train operations in

automatic signal zones, and "inadequate counselling" of loco pilots and station masters. In its probe report into the June 17 accident that left 10 persons dead, including the loco pilot of the goods train, the Commissioner of Railway Safety (CRS) also recommended implementation of the Automatic Train-protection system (KAVACH) on top priority. The CRS said wrong paper authority or T/A 912 to cross defective signals was issued to the loco pilot of the goods train involved

by authorities concerned. Further, the paper authority didn't mention the speed that the goods train driver was supposed to follow while crossing the defective signal.

Considering various lapses on part of the rail administration, the CRS said, "Due to improper authority and that too without adequate information, such an incident was an "accident-in-waiting". The CRS, in its probe, found that besides the Kanchanjunga Express and the goods train, five other trains



entered the section from when the signals turned defective until the accident appened on that day."In spite of issuing the same authority, different speed pattern was followed by loco pilots," it said.

The CRS noted that only the Kanchanjunga Express followed the norm of moving at a one minute at each defective signal while the rest of the six trains, including the goods train involved in the accident, didn't follow this norm. This shows that "action to be taken

when T/A 912 is issued to them is not clear. Some of the loco pilots have followed the 15 kmph rule while most of the loco pilots did not follow this rule. The absence of proper authority and that too without adequate information created misinterpretation and misunderstanding about the speed to be followed."PTI had first reported that the T/A 912 didn't mention speed restriction which the CRS has also flagged in its report as a major reason for the accident. Classifying the accident under the "Error in Train Working" category, the CRS said there

was "inadequate counselling of loco pilots and station masters about train operation in automatic signalling territory creating misinterpretation and misunderstanding of rules."It said the large number of signalling failures in automatic signalling territory is a

maximum speed of 15 kmph and stopping for cause of concern and should be taken up with those concerned to improve the reliability of the system.

> "The occurrence of as many as 208 cases of Signal Passing at Danger (red signal overshooting) from 1.4.2019 to 31.03.2024, out of which 12 cases resulted in collision, highlights the limitations of preventive measures taken by zonal railways (counselling of loco pilot/assistant loco pilot, safety drives, etc.)," the CRS said.

> "This underscores the need for implementation of the Automatic Train-protection system (KAVACH) on top priority. Use of nonsignalling-based systems such as Artificial intelligence-based detection of the RED aspect of the signal and providing an early warning to the loco pilot/GPS-based anticollision systems shall be explored for provision in locomotive cabs across Indian Railways in non-ATP (automatic train protection) territory," it said. The CRS said in case of multiple signal failures, there were three options left with the rail administration but they followed none of them in total.

#### **Government Reconstitutes NITI** Aayog, 15 Union Ministers From NDA Allies Included

New Delhi: NITI Aayog has been reconstituted with some new ministers in the Modi 3.0 government from the BJP and its allies in the National Democratic Alliance made as ex-officio members or Special

Prime Minister Narendra Modi will continue to be the chairperson of the NITI Aayog and there are no changes in the post of Vice Chairman and full-time members.

Minister of Agriculture and Farmers Welfare Shivraj Singh Chouhan is the new ex officio member, while Minister of Health and Family Welfare Jagat Prakash



Nadda and Minister of Heavy Industries HD Kumaraswamy are Special Invitees.he Special Invitees also include Minister of Micro, Small and Medium Enterprises Jitan Ram Manjhi, Fishries, Animal

Husbandary and Dairying Minister Rajiv Ranjan Singh, Civil Aviation Minister KR Naidu and Minister of Food Processing Industries Chirag Paswan.

Kumaraswamy (JD-S), Manjhi (Hindustan Awam Morcha-S), Rajiv Ranjan Singh (JD-U) and Paswan (LJP-Ram Vilas) are BJP's allies in the NDA government.PM Modi approved the revised composition of the National Institution for Transforming India (NITI Aayog).

The ex-officio members include Defence Minister Rainath Singh, Home Minister Amit Shah and Finance Minister Nirmala Sitharaman

#### Why IAS Officer Puja Khedkar's Training Has Been Put On Hold

New Delhi: The training of probationary IAS officer Puja Khedkar has been put on hold amid allegations of misuse of power and privileges. Ms Khedkar has been recalled to the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA) in Mussoorie for "further necessary action". Ms Khedkar was earlier transferred to Washim from Pune following accusations of manipulating disability and OBC certificates to gain entry into the civil services.

The General Administration Department of the Maharashtra government issued a directive stating, "You are hereby relieved from the District Training Programme of the State Government of Maharashtra." The directive instructs Ms Khedkar to "join the academy at the earliest" but not later than July 23.Ms Khedkar, a 2023-batch officer from Ahmednagar, claims to be the victim of a "media trial" alleging that a misinformation campaign has been waged against her.

The authenticity of various certificates submitted by Ms Khedkar to the Union Public Service Commission (UPSC) is currently under investigation. These include certificates indicating visual impairment, which Ms Khedkar submitted under the Persons with Benchmark Disabilities (PwBD) category.Despite being referred by the UPSC for a medical examination at Delhi's All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Ms Khedkar reportedly missed six appointments between April and August 2022. In August 2022, she applied for another disability certificate from the Aundh government hospital in Pune, but her application was rejected following medical tests.Ms Khedkar's troubles began when she was accused of demanding unauthorised perks and facilities while serving as an assistant collector in Pune. Allegations include using a red beacon and a "Government of Maharashtra" sticker on her private Audi car, occupying the office of Pune Additional Collector Ajay More during his absence, and demanding office furniture, letterheads, a VIP number plate, a separate house, and a car. These perks are typically unavailable to probationary officers who are still in their 24-month probationary period. Following these allegations, Ms Khedkar was transferred from Pune to Washim as a supernumerary assistant collector. This move was seen as a temporary measure pending further investigation.

## SC to Hear on Thursday Pleas Seeking Cancellation of NEET-UG Exam

to hear on Thursday a batch of pleas alleging irregularities in the conduct of the NEET-UG 2024 examination and seeking its cancellation.As per the cause list published on the website of the apex court, a bench presided over by CJI D.Y. Chandrachud will resume hearing the matter on July 18.In the previous hearing, the Bench, also comprising Justices J.B. Pardiwala and Manoj Misra, decided to adjourn the hearing on the joint request of the parties, noting that the CBI has put on record the status report concerning paper leak allegations. In its affidavit, the Centre told the top court that the data analysis conducted by IIT-Madras shows that there was neither any indication of mass malpractice nor a localised set of candidates being

benefitted, leading to abnormal scores in NEET-UG examination held on May 5 this year. "There is an overall increase



in the marks obtained by students, specifically in the range of 550 to 720. This increase is seen across the cities and centres. This is attributed to a 25 per cent reduction in the syllabus," said the Centre, adding that candidates across multiple cities and multiple centres, indicating very "less likelihood of malpractice". After a comprehensive data analysis using parameters like marks distribution, city-wise and centre-wise rank distribution and candidates spread over a range, experts of IIT-Madras opined "no abnormality", the affidavit said.

Earlier, the SC had directed the NTA to make full disclosure regarding the nature of the paper leak, the places where leaks took place, and the lag of time between the occurrence of the leak and the conduct of the examination.It also asked the CBI to file a status report indicating the status of the investigation and the material collected during the probe.

Tetanus-Pertussis Vaccine) — proxy

for zero-dose — is 93 per cent whereas

the global average is 89 per cent."Thus,

India is 4 per cent better than the

world," the source said. India's DPT3

— proxy for under-vaccinated — is 91

per cent whereas the global average is

84 per cent. Thus, India is 7 per cent

better than the world. Besides, India's

MCV1 (Measles zero dose) is 92 per

cent whereas the global average is 83

Thus, India is 10 per cent better than the

#### Delhi Doctors Report Rise In Hand, Foot, Mouth Disease In Children

New Delhi: Monsoon is driving cases of a highly contagious hand, foot, and mouth disease (HFMD) -- a common viral illness -- in young children in the national capital, said doctors here on Wednesday.

Hand, Foot and Mouth Disease (HFMD) predominantly affects infants and young children, and is characterised by a combination of symptoms including fever, sore throat, mouth sores, and a rash on the hands and feet. The disease is caused by various enteroviruses, most commonly Coxsackievirus A16 and Enterovirus

We are seeing 4-5 cases every day, which is much higher than the average cases we used to see," Dr Krishan Chugh, Principal Director and HOD, Paediatrics, Fortis Memorial Research Institute, Gurugram, told IANS.He said, "Cases are particularly seen among children aged 1-7.

The highly contagious disease typically bgins with a fever, often accompanied by a sore throat and a general feeling of malaise. It is followed by painful sores or blisters appearing in the mouth, on the palms of the hands, and soles of the feet. These sores can be quite uncomfortable, making eating and drinking difficult for affected children. The rash on the hands and feet may appear as small red spots or blisters. In some cases, particularly with Enterovirus 71, the disease can lead to more severe complications such as viral meningitis or encephalitis. The virus spreads easily through close personal contact, respiratory droplets (coughing, sneezing), and contact with contaminated surfaces or faeces. This high level of contagiousness makes outbreaks common in settings where young children gather, such as daycares and schools.

"It is usually self-limiting and settles in two weeks or so. It is spread by close contact, respiratory droplets and skin contact. Treatment is most symptomatic and prevention is to avoid close contact and respiratory isolation," Dr Atul Gogia, senior consultant and head of Infectious Diseases at Sir Ganga Ram Hospital, told IANS.

The hot and humid weather creates an ideal environment for the virus to thrive, leading to this increase. It tends to peak in the rainy season," added Dr Poonam Sidana, Director-Neonatology & Paediatrics at the CK Birla Hospital, Delhi.In the last several days, there have been reports from Kerala of an epidemic sickness known as tomato fever. However, doctors note that it is a misleading term and is actually a hand, foot and mouth disease.

## Zero-dose Children Comparison Flawed, India's Population Not Considered: Sources on WHO-UNICEF Data

**New Delhi:** India's population, which is many times more than several nations, has not been taken into account while comparing children's vaccination data with 19 other countries in the latest WHO and UNICEF estimates of national immunisation coverage (WUENIC), official sources have

They asserted that India is steadfast in its commitment to reduce the number of zero-dose children."Even though India has the second highest (number of) zero-dose children in the world, it accounts for 0.11 per cent of the country's total population," Union health ministry sources said on Tuesday. The sources were reacting to the WUENIC data released on Monday which stated that India had the second-highest number of children, nearly 16 lakh, who did not receive any vaccine in 2023, just after Nigeria with 21 lakh zero-dose children."The

population has not been taken into consideration," a source said. The WUENIC data showed that India's rank improved from 2021 when the



country had recorded the highest number of zero-dose children globally at 27.3 lakh.

The sources said India's antigen-wise coverage is better than that of the world average for all antigens for 2023.

comparison is flawed as the base hey said India's DPT 1 (Diphtheria-

world," the source said. All efforts are being made to reach these zero-dose

children. A special zero-dose plan has been made and it is under implementation, the health ministry sources stated.n the WUENIC data, India is followed by Ethiopia, Congo, Sudan, Indonesia, Yemen, Afghanistan, Angola, Pakistan, Somalia, Vietnam, Madagascar, Mexico, South Africa, Mali, DPRK, China, Guinea and Myanmar.

# 1.98 Crore Compensation In Mercedes Hit-And-Run, Car Was Driven By Minor

Sidharth Sharma died after being hit by a Mercedes - driven by a minor - in the Civil Lines area of Delhi on April 4, 2016. The fatal crash was recorded by a security camera installed in the area.

New Delhi: An insurance company has been directed by the Motor Accident Claim Tribunal (MACT) to pay about? 1.98 crore compensation to the parents of a 32-year-old man who was killed in a hit-and-run involving a minor in 2016.



The Tribunal has directed the insurance company to pay ? 1.98 crore - ? 1.21 crore as compensation and around? 77.61 lakh as interest - to the parents of Sidharth Sharma within 30 days.Sidharth Sharma died after being hit by a Mercedes - driven by a minor - in

the Civil Lines area of Delhi on April 4, 2016. The fatal crash was recorded by a security camera installed in the area. The Tribunal also held the minor's father responsible for failing to stop his minor son from driving, especially a Mercedes car, despite prior warnings."Instead of

preventing his minor son from driving a Mercedes, he chose to ignore the same, which implies tacit consent on his part. The very fact that at the time of the accident he was at home was all the more reason to stop his son from taking the car from the home for a jo ride," the Tribunal said in its order.In the CCTV footage, Mr Sharma was seen trying to cross the road while looking both ways. He had just bought takeout from a noodle stand and was heading home. The 32-year-old, realising that the car was not slowing down, tried to get out of the way but didn't stand a chance. After hitting Sidharth Sharma, the Mercedes went over a pavement and came to a stop as its front tyres burst. The teenager abandoned the car and ran away with his friends. The court granted the insurance company the liberty to recover the compensation amount from the father's company.

#### Actor Jack Black's band cancels Australia tour amid outrage over Trump joke

Sydney. Tenacious D frontman Jack Black has cancelled the comedy-rock group's tour of Australia and New Zealand, after his bandmate stoked outrage with a quip about the attempted assassination of Donald Trump.

Guitarist Kyle Gass said "don't miss Trump next time' when asked to make a birthday wish while playing a packed gig in Sydney over the weekend, part of the band's "Spicy Meatball" tour. While the jibe drew laughter and applause from the crowd, it swiftly sparked controversy when posted online."I was blindsided by what was said at the show on Sunday," said Black, the Hollywood funnyman who starred in films such as "School of Rock", "High Fidelity" and "Kung Fu Panda"."After much reflection, I no longer feel it is appropriate to continue the Tenacious D tour, and all future creative plans are on hold," he said on Instagram late Tuesday night. Australia's ambassador to the United States, former prime minister Kevin Rudd, said the comment made him "feel sick". "People might think it's a bit of 'funny haha' at a concert. But it's not."These people should just grow up and find a decent job."Four remaining shows in Australia have been cancelled along with two dates in New Zealand, management company Frontier Touring said Wednesday in a statement. The band's biggest hit came in 2002 with the track "Tribute". which fans commonly refer to as the "greatest song in the world", a reference to its tongue-in-cheek lyrics.Gunman Thomas Matthew Crooks opened fire at a rally in Pennsylvania on Saturday -- a near-miss assassination attempt that left Trump bleeding from his

#### Islamic State claims responsibility for Oman mosque attack that left 9 dead

Cairo Islamic State claimed responsibility for an attack at a Shi'ite Muslim mosque in Oman, the group said on Tuesday, which left at least nine people dead, including three attackers, a rare security breach in the oilproducing Gulf state. The attack on Monday, which is unusual in the wealthy, Sunni Muslim-dominated Gulf states, raises fears that the Islamic State group may be trying to gain a foothold in new territory.

Three suicide attackers from the Islamic State attacked last night a gathering of Shi'ite (Muslims) while they were practicing their annual rituals at a temple in the Wadi al-Kabir district in the (Omani) capital," according to group's statement, which cited three security sources. The Islamic State fighters fired on Shi'ite worshippers and exchanged gunfire with Omani security forces until morning, the statement added.

Islamic State late on Tuesday published what it said was a video of the attack on its Telegram site. The group also said that the attack left more than 30 Shi'ite Muslims and five Omani forces, including a police officer, killed

#### Joe Biden pledges 'I am all in,' criticises Trump on economic policy

Addressing people in his address at a convention, US President Joe Biden said that he was "all in" to seek reelection and criticised his Republican rival **Donald Trump on various fronts including his** handling of the economy during the Covid-19

Washington DC President Joe Biden promised Black voters on Tuesday that he was "all in" to seek re-election on November 5 and assailed Donald Trump's record as president, in his first political speech since his Republican rival's attempted assassination.Biden was greeted by chants of "four more years" as he spoke to the NAACP's annual convention in Las Vegas, a major gathering of Black voters. Biden said he was grateful that Trump was not seriously hurt at a campaign rally in Pennsylvania on Saturday but roundly criticised him on a variety of fronts, including his handling of the economy during the coronavirus pandemic. Let me say it again because Trump is lying like hell about it - Black unemployment hit a record low under the Biden-Harris administration," Biden said.He scolded Trump for



initially contending that former President Barack Obama was not an American citizen and for his reference to "Black jobs" at the Trump-Biden debate on June 27."I am all in," said Biden.

The attempt on Trump's life on Saturday prompted the Biden campaign to pull its television ads, call off verbal attacks on the former president and focus instead on a message of uity."Our politics got too heated," said Biden. The campaign's strategy previously was to focus on tough criticism of Trump as a threat to U.S. democracy and to highlight his failure to admit his 2020 election loss and his felony convictions.

Now, it is trying to calibrate a less pugilistic message that still strikes a stark comparison between the two candidates. The National Association for the Advancement of Colored People, the oldest and largest US civil rights organisation, represents a key constituency for the Democratic Party. While Black voters turned out heavily for Biden in 2020, polls have shown waning support for him from the constituency in this election.

## Torrential rain triggers flash flooding, power outage in Canada's Toronto

Heavy rain led to flash flooding in Toronto, causing significant disruptions in the city. Power outages, travel delays, and flooded streets were reported as emergency services responded.

Toronto. Torrential rain on Tuesday triggered flash flooding in parts of Toronto, Canada's financial center, causing power outages, disrupting traffic and forcing airlines to curtail service. Toronto Hydro, the local power distribution company, said it was responding to scattered outages that it suspected were caused by flooding at a transmission station. At 3 p.m., about 123,000 customers were without power, it said.Billy Bishop Airport, situated on an island off downtown Toronto, said the underwater pedestrian tunnel leading to



the passenger terminal, was flooded and temporarily closed. At least some flights were delayed or canceled. At lunchtime, many of downtown Toronto's normally bustling restaurants were darkened, with kitchen workers and waiters gathered outside, chatting and waiting for the lights to come back. With traffic lights out, cars

and delivery trucks backed on city streets, snarling some intersections. Across the world, intense rain storms are becoming more common because of climate change, weather experts say, putting a heavy strain on infrastructure that in many cities is not designed to handle heavy, sustained The Toronto Transit Commission, which operates subway, bus and trolley service, said trains were bypassing Union Station, the city's main rail terminal. Go Transit, which operates train service to and from Toronto's suburbs, said the flooding had caused some disruptions. Parts of the Don Valley Parkway, a major highway running east of downtown, resembled a river soon after the rains began, with images showing cars stalled out in the brownish waters several feet (dozens of

Brandon Rolle, 24 said he was stuck inside his car on the Don Valley Parkway for two hours before the fire service came to rescue him. But his car was still stuck on the flooded highway until it could be towed off, he said."They're saying they have to wait until the water recedes," he said. The rains stopped around midday, and Environment Canada forecast partly cloudy skies for the rest of Tuesday.

Coronto Mayor Olivia Chow in a televised briefing said emergency services were not affected by the flooding, but there was some water in parts of the City Hall.

## Hot air from Africa bakes southern Europe, severe heat warning in Italy

12 cities under the most severe heat warning Tuesday as a wave of hot air from Africa baked southern Europe and the Balkans and sent temperatures over 40 degrees Celsius (104 degrees Fahrenheit), with the worst still to come.Croatia reported the highestever temperatures of the Adriatic Sea, with the thermometer reaching nearly 30 degrees Celsius (86 degrees Fahrenheit) at the southern walled city of Dubrovnik, the country's most popular tourism spot. In Serbia, the state power company reported record consumption Tuesday due to the use of air conditioning. Municipal authorities in several southern European and Balkan cities took measures to look after elderly people in particular as civil protection crews fielded calls for water-dropping aircraft such as Canadairs to douse wildfires that raged in southern Italy and North Macedonia. "It's hellishly hot," said Carmen D-az, a tourist from Madrid who was trying to keep cool with a fan at lunchtime in Rome. "These fanshelp a little too, but it's really hot."In Greece, municipalities made air-conditioned spaces available to the public. Certain forms of outdoor work were banned,

construction, during the hottest time of the day when temperatures reached 40 C.Temperatures were expected to hit 42 C on Wednesday and Thursday in several countries. Spain's national weather service said thermometers



could reach 44 C in the southern Guadalquivir river basin in the coming days.To beat the heat, Rome's zoo made plans to offer popsicle respite for the animals later this week when temperatures were expected to top 38 C. For those flocking to the Eternal City's Coldplay concerts this week, there were no such icy treats. "It really feels like we are in an oven with a hair dryer pointed at us," said Patrizia Valerio, who had just arrived in Rome from Varese for the band's final performance Mattia Rossi was more philosophical, noting that the freak storms that hit Italy earlier this summer as evidence of climate change wreaking havoc on the southern Mediterranean's weather systems."These are all symptoms of a

planet that is suffering in my opinion," Rossi said.In Albania. where temperatures were expected to hit 42 C, a 72-year-old man was found dead at his farm in Memaliaj, 200 kilometers (125 miles) south of the capital Tirana and the cause of the death is believed to be the heat, the local Panorama portal reported. There was no immediate confirmation by health authorities.In Tirana itself, streets and cafes seemed almost empty,

with the few people out and about using umbrellas to shade themselves. High temperatures and winds were fanning wildfires from the south to the north in recent weeks. Even with temperatures a comparatively cool 34 C, the Istanbul municipality issued a heat warning on Tuesday advising residents — especially the elderly, pregnant women, children, and those with health issues — to avoid going out between 10 am and 4 pm.

#### Putin didn't start wars, invasions when Trump was **President: Nikki Haley**

World Endorsing Republican nominee Donald Trump for the November 2024 US presidential election, former South Carolina Governor Nikki Haley said that Russian President Vladimir Putin refrained from "invasions" and "wars" when Trump was the US president. Haley was a former leading rival of Trump for the Republican presidential nomination. She stated that when Barack Obama was president, Vladimir Putin invaded Crimea, and under Joe Biden's presidency, he invaded all of Ukraine. However, Putin knew "Donald Trump was tough", she said at the Republican National Convention."When Donald Trump was president, Putin did nothing. No invasions, no warsâ€æPutin didn't attack Ukraine because he knew Donald Trump was tough. A strong president doesn't start wars, a strong president prevents wars," Haley asserted. Haley, who is also a former UN ambassador, also praised Donald Trump's foreign policy during his previous presidency.

In this moment, we have a chance to set aside our differences, and focus on what unites us and strengthens our country," she said in her address at the Republican convention days after the assassination attempt on Donald Trump during an election rally.



assistance," a spokesperson said, referring questions on the circumstances of the deaths to local authorities. The Vietnamese embassy in

> She further stressed unity in her speech, and said 'Our foreign enemies win when they see Americans hate each other. They see that today, whether it's on college campuses or in a field in Butler, Pennsylvania. But we can conquer those fears with strength and unity". Haley, who had described Trump as unelectable and unfit for office during her campaign, urged her supporters to vote for him over Democratic President Joe Biden "for the sake of our nation", adding that "You don't have to agree with Trump 100 per cent of the time to vote for him". During her campaign, Haley had been highly critical of Dold Trump, alleging that the former President was siding with

## 6 foreigners found dead in Bangkok hotel, Thai PM orders probe

Bangkok. Thai police are investigating the deaths of six foreign nationals whose bodies were found in a room at an upmarket hotel in Bangkok on , including looking seventh person in connection with the incident. All six, who were of Vietnamese descent, with two carrying US passports, checked into Bangkok's Grand Hyatt Erawan hotel at two separate times after arriving on Saturday and Sunday, police official Thiti Saengsawang told reporters. The group - three men and three women checked into different rooms but their bodies were found in one room, which did not show any signs of struggle, he said."This was not self harm, but someone caused the deaths," said Thiti, adding that police were looking for a seventh person connected with the group."We are tracing every step since they got off the plane."Police officers found the bodies after a call from the



hotel staff at around 5.30 p.m. (1030 GMT) reporting that there had been deaths, the Thai police said in a statement. Thai prime minister Srettha Thavisin, who visited the hotel late on Tuesday with senior police officials, ordered a swift investigation on the matter, the government said in a statement."The prime minister has ordered all agencies to urgently take action to avoid impact on tourism," it said. The US State Department was "closely monitoring the situation and (we) stand ready to provide consular

Reuters. The Grand Hyatt Erawan, which has over 350 rooms and is located in a popular tourist district in the Thai capital known for luxury shopping and restaurants, also did not immediately respond to calls or an email seeking comment. Tourism serves as a key driver for Southeast Asia's second-largest economy, with the government expecting 35 million foreign arrivals this year after 28 million visited the country in 2023, spending 1.2 trillion baht (\$33.71 billion). The tourism sector was shaken in October by a shooting spree at a luxury shopping mall close to the Hyatt in which two foreigners were killed, prompting government measures to

improve confidence.

## 6 dead in Bangladesh as job quota protest turns violent, schools, colleges shut

**Dhaka** At least six people, including three students, were killed and more than 100 others injured on Tuesday as protesters demanding reforms of the quota system in government jobs clashed with police in major cities across Bangladesh, forcing the closure of schools and colleges.

Police and major news outlets reported two new deaths in the capital Dhaka and the northeastern port city of Chattogram while earlier today, four deaths were reported from the capital, Chattogram and northwestern Rangpur.According to the reports, at least three of the deceased were students while the violence injured some 400 others on Tuesday as protests demanding quota system reforms spread across major Bangladesh cities a day after it took a violent turn after a week of street demonstrations. Authorities today called out the paramilitary Border Guard Bangladesh (BGB) troops in four major cities after hundreds of policemen in riot gear overnight fanned out in public university campuses across the country.

The government, meanwhile, ordered closure of schools, and colleges until further order amid escalated violence.

'All high schools, colleges, madrasahs (Islamic seminaries) and polytechnic institutes under the purview of the Department of Secondary and Higher Secondary Education will be shut down until further order, considering the security of the students," an education ministry spokesman said. The violence

nearly emptied the usually crowded capital where unidentified people set on fire two buses after exploding dozens of Molotov cocktails while several parts of the city witnessed sporadic clashes causing roadblocks leaving thousands of people stranded in the streets and their workplaces.

The clashes, however, erupted on Monday as activists of ruling Awami League's student front confronted the protestors who insist the existing quota system

was largely debarring the enrolment of meritorious students in government services. Demonstrators accused the ruling party's student wing Bangladesh Chhatra League of attacking their "peaceful protests" with backing from police.The protesters blockaded highways and railway routes in four major cities of central Dhaka, northwestern Rajshahi, southwestern Khulna and the major port city Chattogram.Police fired tear gas canisters and rubber bullets as university students battled with counter-protesters armed with sticks and brickbats.

Rival student groups marched in several key locations around the capital Dhaka, some throwing bricks at each other, with traffic in the city of 20 million almost ground to a halt. Students of the premier Dhaka University took the lead in the latest one-week protests for recruitment



in first- and second-class government jobs, demanding seats to be filled based on talent, reforming the existing quota system. The protesters said they were staging peaceful demonstrations on Monday at two public universities in Dhaka and its outskirts when they were attacked by student activists from the ruling party activists armed with sticks, rocks, machetes and Molotov cocktails.

Under the existing system, 30 per cent jobs are reserved for descendants of 1971 Liberation War veterans, 10 per cent for administrative districts, 10 per cent for women, five per cent for ethnic minority groups and one per cent for physically handicapped people.

Every year some 3,000 government jobs open up to nearly 400,000 graduates. The student protest appears to be the first

major demonstration against Prime

Minister Sheikh Hasina's government

since she won a fourth straight term in January. Hasina said on Tuesday that "war veterans should receive the highest respect for their sacrifice in 1971 as they joined the war with whatever they had, abandoning the dream of their own life, leaving behind their families, parents and everything". She also criticised the protesters saying the war veterans must get the benefit instead of those who opposed the creation of Bangladesh siding with Pakistani troops in 1971, known as "razakars". The quotas were

stopped under a government circular in 2018 after mass student protests but last month, the high court ordered the quotas for veterans' families to be reinstated, angering students and triggering new demonstrations. The Appellate Division of the unitary Bangladesh's Supreme Court last week, however, temporarily halted the high court's order for four weeks while the chief justice asked protesting students to return to classes, saying the apex court would issue a decision in four weeks.

The protests, however, continued halting traffic in Dhaka.Amnesty International urged Bangladesh authorities to "immediately guarantee the safety of all peaceful protesters" while the US State Department spokesman Matthew Miller also denounced the "violence against peaceful protesters", prompting a rebuke from Bangladesh's foreign ministry.

#### Chelsea star Wesley Fofana slams teammate Enzo for uninhibited racist' chants

New Delhi. Chelsea defender Wesley Fofana took to his social media handle to slam teammate Enzo Fernandes for singing racist chants regarding French players and their African heritage during Argentina's Copa America 2024 celebrations. Fernandes in his Instagram Live was seen singing racist chants along with the rest of the Argentina squad, who took an unprecedented dig towards the French Football team. The video has since gone viral on social media, and has also resulted in a legal case and a lot of backlash for the Chelsea number 8. Fofana in his social media post, shared a screenshot from Enzo Fernandes's video and labelled it "uninhibited racism". According to multiple reports, several other players in Chelsea have since shown disgust and anger at Enzo's actions. Enzo's Chelsea teammates like Fofana, Malo Gusto and Axel Diasi have blocked the Argentine midfielder on social media since the video came up."They play for France, but their parents are from Angola. Their mother is from Cameroon, while their father is from Nigeria. But their passport says French," The chants from Argentina's squad and Enzo. Moreover, The Governing Body of French Football, FFF, has also lodged a legal complaint on the Argentine squad and Enzo for the same. The president of the French Football Federation, Philippe Diallo, condemns in the strongest terms the unacceptable racist and discriminatory remarks which were made against the players of the French team in the context of a song sung by players and supporters of the Argentina team after its victory in the Copa América and broadcast in a video on social media...The president of the FFF decided to directly challenge his Argentinian counterpart and Fifa, and to file a legal complaint for insulting remarks of a racist and discriminatory nature," A statement from FFF said. Enzo has since issued and apology for the chants, through a special message via his social media accounts.

#### England cricketer James Vince reveals his family was attacked twice

New Delhi. England cricketer and Hampshire captain James Vince has revealed chilling details about attacks on his home that forced his family to leave their hometown in Southampton. Vince and his family had enjoyed the tranquility of their home in a village east of Southampton for nearly eight years. However, in a report to The Telegraph on Tuesday, July 16, Vince revealed that there had been two attacks on his family home in Hampshire within the last three months. Vince lives there with his wife and two children, aged seven and three.

Three months ago, the Vince family woke up in the middle of the night to the sound of glass shattering and alarms blaring. Their house and cars had been attacked. Just over a month later, after completing the repairs, the family was once again awakened by trespassers throwing bricks at their house and cars. The second attack was captured by newly installed security cameras. The footage shows two men, one wearing a hoodie with the logo of the brand Gym King on the back. This man is seen receiving bricks from another person holding a torch and possibly filming the act. Neither person's face is visible in the video. Following the attacks, support poured in from Hampshire, the ECB, and the Professional Cricketers' Association. Intelligence firms were hired to investigate the matter, but their inquiries have yielded little information so far. The pattern of attacks suggests a financial motive, such as unpaid debts. However, neither Vince nor his wife Amy found anything in their financial or phone records indicating trouble with anyone. The most plausible explanation currently is mistaken identity. Vince, typically a private individual off the field, decided to go public with a plea for information in hopes of resolving the

#### French football body files complaint over 'racist' song by Argentina players

New Delhi. The French Football Federation (FFF) vowed to file a complaint to the global governing body of the sport (FIFA) over a 'racist' song sung by a section of Argentina players during their post-match celebration after winning the Copa America 2024 final on Sunday. A controversy erupted when a video surfaced showing Argentine players, including Enzo Fernández, singing a racist song targeting French national team players of African descent. The song, which was posted on social media by Fernández, included offensive language and slurs that sparked widespread outrage. The FFF strongly condemned the "racist and discriminatory remarks" made by the Argentine players, stating that they would file a legal complaint over the incident. The FFF president, Philippe Diallo, expressed shock and disappointment at the "unacceptable" behavior, which he believed was contrary to the values of sport and human rights.

Given the seriousness of these shocking remarks, which are contrary to the values of sport and human rights, the FFF president has decided to contact its Argentinian counterpart and Fifa directly to file a legal complaint for racist and discriminatory remarks," the FFF said on Tuesday.The president of the French Football Federation, Philippe Diallo, condemns in the strongest terms the unacceptable racist and discriminatory remarks made against the players of the France team as part of a song sung by players and.

# Mexico coach Jaime Lozano sacked after Copa America disappointment

Jaime Lozano has been sacked as Mexico's head coach following their Copa America group-stage exit, the country's football federation (FMF) said on Tuesday.

New Delhi. Jaime Lozano has been dismissed as head coach of Mexico's national football team two weeks after their first-round exit from the Copa América. The Mexican Football Federation (FMF) announced on Tuesday that Lozano had declined an offer to remain with the team as an assistant coach for two years, with a potential return to the head coach position after the 2026 World Cup. "This was one of the toughest decisions I have had to make," Lozano shared on his official social media accounts. "It is a matter



of principles and due to the change of direction from the original project." Javier Aguirre, a close friend of FMF commissioner Juan Carlos Rodr-guez, is considered the leading candidate for the head coach position. Aguirre previously coached Mexico during the 2002 and 2010

World Cups and had earlier declined a role to assist Lozano from a distance. The FMF indicated that a new coach could be confirmed as early as the first week of August. Lozano, who guided Mexico's Under-23 team to a bronze medal at the Tokyo Olympics, was appointed interim

last year, replacing Diego Cocca. After winning the Gold Cup, Lozano's position became permanent in August 2023. During his tenure, Lozano managed just 10 wins out of 21 matches. In the Copa América, Mexico narrowly defeated Jamaica, lost to Venezuela, and drew with Ecuador, resulting in their elimination from Group B. Controversially, Lozano left out five experienced players from the Copa América squad, including goalkeeper Guillermo Ochoa and forwards Hirving Lozano and Raul Jimenez. He explained that he wanted to give other players leadership opportunities. The president of the FMF, Ivar Sisniega, had assured him that his job was secure regardless of the tournament's outcome.Following the Copa América exit, the FMF has begun an analysis to identify mistakes, successes, and areas for improvement. Lozano, who spent only one year in the role, led Mexico to the 2023

Gold Cup title and reached the CONCACAF Nations League final earlier this year, where they lost to the United States. His overall record as head coach includes 10 wins, four

## IOA releases list of 117 athletes and 140 support staff for Paris Olympics 2024

New Delhi. India's final contingent for the Paris Olympics 2024 has been approved by the sports ministry. A total of 117 athletes will be travelling to Paris and will be accompanied by 140 support staff and officials. Among the support staff, 72 personnel have been granted government funding in order to cater to the needs of the participating sportspersons. However, a patable absorption from the list of 117 ethlotographs. notable absentee from the list of 117 athletes was shot putter Abha Kathua. She had secured her qualification for the Paris Olympics through the world ranking quota. There was no explanation as to why Kathua's name was omitted. This happened after her name was found missing from World Athletics' list of Olympic participants a few days ago. The Indian contingent for the Paris Olympics will be led by the athletics team, which comprises 29 athletes, including 11 women and 18 men. The shooting team will have the second-largest Indian representation with 21 members, followed by the hockey team with 19

India gears up for Paris Olympics 2024



"The permissible limit for the stay of support personnel in the Games Village against accreditation as per norms of the Paris Organising Committee for the 2024 Olympic Games is 67, including 11 1OA Contingent Officials, which includes five Medical Team Members," stated a letter from the ministry to the Indian Olympic Association President P.T. Usha.

"For catering to the requirements of the

athletes, additional coaches and other support staff numbering 72 have been approved at cost to the Government and arrangements for their stay have been made in Hotels/in locations outside the Games Village," it added.

Indian contingent for Paris Olympics Table tennis will be represented by eight players, while badminton will feature seven competitors, including two-time Olympic medallist P.V. Sindhu. Wrestling, archery and boxing will have six representatives each. This is followed by golf with four participants

and tennis with three. Sailing and swimming will witness two Indian competitors, followed by equestrian, judo, rowing and weightlifting with one participant each.

During the last Tokyo Olympics in 2020, India was represented by a 119-member contingent. The country returned with the best-ever haul of seven medals, including a historic gold by javelin star Neeraj Chopra.

#### OTD: Pant hundred helps Rohit become 1st Indian captain to win ODI series vs ENG

New Delhi. On this day two years ago, India sealed a thrilling 2-1 series victory over England in the three-match ODI series after a dramatic five-wicket win at the iconic Old Trafford in Manchester on July 17, 2022. The win not only secured the series for India but also etched captain Rohit Sharma's name in the history books. He became the first Indian captain to win both the T20I and ODI series on English soil. Rishabh Pant's magnificent unbeaten century (125\*) and Hardik Pandya's crucial 71 helped India chase down England's total of 259 within the 43rd over. This victory made Rohit Sharma the third captain to win an ODI series in England, joining MS Dhoni and Mohammed Azharuddin.England, put in to bat first, were bundled out for a meagre 259 runs. The Indian pace attack, led by the impressive Hardik Pandya (4/24), was ruthless, dismantling the English batting lineup. Yuzvendra Chahal (3/60) provided valuable support with his wily leg-spin, restricting the flow of runs in the middle overs. Chasing a seemingly manageable target, India suffered a top-order collapse, losing their experienced trio of Rohit Sharma, Shikhar Dhawan, and Virat Kohli early. This left them in a precarious position at 72/4, with the



Rishabh Pant and Hardik Pandya turned the tide in India's favour. Pant, known for his aggressive stroke play, displayed remarkable maturity and played a sheet-anchor role. He stitched together a match-winning 133-run stand with Pandya (71), rescuing India from the brink of defeat. Pant's unbeaten knock of 125, laced with 16 fours and 2 sixes, was a masterclass in controlled aggression, ensuring India crossed the finish line with 47 balls to spare.Rohit Sharma's leadership throughout the series was impeccable. He displayed tactical acumen, making crucial bowling changes and backing his players at critical moments. His historic double series win in England will be a feather in his captaincy cap.

## New Zealand yet to confirm ODI captain, Tom Latham one of the options: Gary Stead

New Delhi. New Zealand head coach Gary Stead said the Blackcaps are yet to take any decision on Kane Williamson's replacement as ODI captain with senior opener Tom Latham in the reckoning. With Williamson stepping down from the role, Latham has emerged as a strong candidate to succeed him. Williamson's decision to relinquish the captaincy follows his choice to turn down a central contract for the 2024/25 season, although he still aims to continue playing international cricket. Latham, who has frequently stood in as captain,

has led New Zealand in 44 ODIs, including during last year's World Cup when Williamson was sidelined with a broken thumb. His experience and leadership qualities make him a natural contender for the permanent role.Coach Gary Stead highlighted the importance of stable



leadership heading into future competitions. "We're not at the stage of confirming it yet, so I don't want to speculate whether Tom will be or not," Stead said. "But he's certainly one guy that will be in discussions around that role. The important thing is whoever is in place, we want in place for two to three years or so, leading to that next [ODI] World Cup.

That will be one of the important decision-making factors that we discuss." Latham himself expressed enthusiasm about the possibility of leading the team. "It would obviously be a real pressure mounting. honour," he said. "For me, it's Rohit achieves unique feat always been about trying to put However, a fighting partnership between the team first as best as possible, and I'm sure they'll have those discussions around what they want from a team point of view. Certainly, if I get the opportunity to do that, it would be really special."

New Zealand's upcoming schedule includes six ODIs during their home summer, with three matches each against Sri Lanka and Pakistan. Following this, they will participate in a tri-series in Pakistan ahead of the Champions Trophy, making the selection of a new captain a crucial decision in the lead-up to these significant fixtures.

# Greatest Indian Olympians: Sushil Kumar

**Wrestler Sushil Kumar is one** of the most successful athletes to represent India at the Olympic Games. Sushil won back to back medals in 2008 and 2012 edition of Olympic Games.

New Delhi. India are about to embark on scripting another glorious chapter in their Olympic history in the upcoming 30th edition of the mega event in Paris. A 118athlete strong contingent will carry the hopes of 1.4 billion who will be rooting for a podium finish for most of them.

In India's 124-year-long history at the grand

event, several players have risen the tricolour high giving their sweat and blood in their respective sports. One such person who made valuable contributions to Îndia's medal tally in back-to-back editions in 2008 Back-to-Back Olympic Successes and 2012 is wrestler Sushil Kumar.Born in Delhi on May 26, 1983, Sushil showed signs of greatness quite early in his career as he won his first gold medal at the World Cadet Games in 1998 at the age of 15. The youngster added another gold to his tally at the Asian Junior Wrestling Championship in

Sushil's first stint at senior competitions

Having proven himself in junior competitions, Sushil made smooth transitions at the senior level as well by winning the bronze medal at the Asian Wrestling Championships in 2003. He further followed it up with a gold the same year at the Commonwealth Wrestling Championships.Sushil made his Olympic debut at the 2004 edition held in Athens but didn't have a memorable outing as he finished in 14th place in the 60 kg weight class. However, the wrestler made amends for his poor show by winning consecutive Gold medals in the Commonwealth Wrestling Championships in 2005 and 2007 respectively.



Having failed to leave a mark on his Olympic debut, Sushil once again returned at the grand event in the 2008 edition held in Beijing. However, he again didn't have a good beginning losing to Andriy Stadnik in the first round of the 66 kg freestyle wrestling event. After his loss, Sushil got his shot at the bronze medal through repechage and defeated Leonid Spiridonov in the third

round by 3:1 to win India's second Wrestling medal at the grand event. The first was won by Khashaba Dadasaheb Jadhav who won Bronze medal at the 1952 Summer

In the 2012 London Olympics, Sushil turned the Bronze to Silver losing to Japan's Tatsuhiro Yonemitsu in the final. As a result, he etched his name in history by becoming the first Indian athlete to win two medals at an individual event in Olympics.

A tragic end to a glittering career

Medals continued to flow in for India's wrestling hero who grabbed gold at the three consecutive editions of the Commonwealth games in 2010, 2014 and 2018. For his outstanding achievement in

his sport, Sushil was also bestowed with India's highest honour for sports persons the Major Dhyan Chand Khel Ratna in 2009. The subsequent year, he became the first and only Indian to win a gold medal at World Wrestling Championship defeating Russia's Alan Gogaev by 3-1. However, Sushil ended up destroying his storied legacy.

### **Bad Newz Advance Ticket Booking Opens: The Stage Is** Set For Vicky Kaushal, Triptii Dimri And Ammy Virk's Film



Vicky Kaushal, Triptii Dimri and Ammy Virk starrer romantic-comedy film Bad Newz is all set to hit the theatres this Friday, July 19. The trailer and songs of the film, especially Tauba Tauba, have garnered a lot of buzz on social media. Fans, now, can't wait to watch the madness the trio creates on the big screen. Much to their delight, the makers of Bad Newz have now opened the ticket booking window for the film. To share the update, actor Vicky Kaushal dropped a video on Instagram and captioned, "Best news! Best news! #BadNewz... ki ADVANCE BOOKING OPEN ho chuki hai!!! #BadNewz in cinemas this Friday!"Helmed by Anand Tiwari and backed by Karan Johar's Dharma Production, the film is about the complexities of heteropaternal superfecundation, set against a backdrop of comedy and chaos. The film's offbeat storyline in which Triptii Dimri's character discovers that she is pregnant with children from two separate fathers, played by Vicky and Ammy, has piqued audiences' interest in its concept.Bad Newz is said to be a successor of the 2019 comedy-drama film Good Newwz which featured Akshay Kumar, Kareena Kapoor Khan, Kiara Advani and Diljit Dosanjh.Meanwhile, Vicky Kaushal has gained much appreciation for his dance moves in the song Tauba Tauba. The actor recently shared his experience of working in the film and said, "For me, shooting this film was like home because Anand Tiwari and Karan Johar, the people I worked with, exuded that feel-good vibe and the script was very good. I found the concept of the film new and the kind of humour it has, even though I haven't explored the

comedy genre that much as an actor.' riptii, on the other hand, while talking to IANS opened up about the challenges she faced while working in a comedy genre film. She said, "I have done a lot of films in the drama genre, but I feel that as an actor, it is really important to keep doing different things and keep challenging yourself. I have found comedy a little difficult in the beginning. But in a way, it was really good for me.

### Ibrahim Ali Khan Is Left Heartbroken As Rema **REFUSES To Give Him His Jacket During Ambani Wedding**



Mukesh Ambani and Nita Ambani's son Anant Ambani recently married his childhood sweetheart Radhika Merchant in a grand four-day celebration. The wedding featured performances by international stars like Justin Bieber and Rema, with guests including Kim Kardashian and Bollywood stars like Shah Rukh Khan, Salman Khan, and Priyanka Chopra.A video surfaced showing Saif Ali Khan's son Ibrahim Ali Khan having a fan moment at Anant's wedding baarat. During Rema's performance, Ibrahim was seen in the front row, trying to get Rema's attention to hand him his jacket as he took it off.

One user commented, "He isn't begging...he is nawab .. its a fan moment.." Another wrote, "Those who are saying it's so embarrassing.

Bhai wo bhi to kissi ka fan ho sakta hai na." "Such innocence. Even they have their own fan moments," read a third one.

Sara Ali Khan and Ibrahim were recently seen at Anant Ambani and Radhika Merchant's wedding. Taking to her Instagram stories, Sara shared photos in which she is seen posing with Ibrahim. The actress wrote, "Since you were in a nappy, you've made your sister happy, even if my shayari make you snappy, I guess my love language is cheesy and snappy, so just laugh my giraffe even if it's only on my behalf, And if ypu are ashamed of me I'll come say maaf maaf." The photos are from Anant Ambani and Radhika Merchant's wedding.

Recently, the soon-to-be actor has fans drooling over him every time he steps out. Yet to make his debut, the star kid has been ruling the internet and how. The 23-year-old keeps grabbing the headlines with his paparazzi appearances, rumoured dating life, and charming persona. Last week, fans were treated to another glimpse of



Malaika Arora is turning up the heat on social media with her latest bikini photos from her vacation in Marbella, Spain. The Bollywood diva shared another sexy photo of herself in a printed bikini, showcasing her toned physique. Her sizzling photo has gone viral, leaving fans in awe. In the photo, Malaika can be seen on a beach in a printed bikini, looking at the pristine blue water. She put a "Surf's up" sticker on her photo. Malaika's latest hot photo has left fans gasping for breath. Check it out here:

Amidst her vacation updates, Malaika took a moment to extend her heartfelt wishes to Anant Ambani and Radhika Merchant on their wedding. Sharing a beautiful photo of the newlyweds on her

Instagram story, she wrote, "Celebrating the beautiful union of Anant and Radhika. Wishing you both all the happiness in the world as you step into this new chapter hand in hand."

While Malaika enjoys her time in Spain, her personal life continues to make headlines. Recently, she has been in the news for her rumoured breakup with actor Arjun Kapoor. The buzz intensified when she skipped his birthday celebration, fuelling



and have all the emotions associated with being trolled. But you'll never see that in public."

Riddhima Kapoor

Drops Video Of Husband Bharat Sahni Dancing With Daughter Samara

Riddhima Kapoor Sahni, sister of Ranbir Kapoor, jetted off to Switzerland a few days ago to ring in mother Neetu Kapoor's birthday. Riddhima's husband Bharat Sahni and daughter Samara Sahni also joined the duo on the vacation. As the family indulged in some precious moments together, we got a glimpse of Samara enjoying a lively dance with her dad. The heartwarming video shared by Riddhima on her Instagram stories radiates pure father-daughter love. Giggling and twirling, Samara Sahni looked oh-so-pretty in her monochrome co-ord set as her dad playfully danced along with her. Visibly captured by Riddhima Kapoor Sahni, she added the song A Thousand Years to the clip, perfectly capturing the joy and

innocence of the moment. Previously, Riddhima Kapoor Sahni posted a video offering a sneak peek into the celebrations of Neetu Kapoor's birthday. In a video shared on Instagram stories, the veteran actress could be seen joining in as her family sang the birthday song for her. With a special dessert and a sparkler, the family celebrated the special day. Riddhima also shared a motherdaughter photo and wrote, "Just us girls enjoying our bubbly. Love and only love. Happy birthday my mommykins."Earlier, in an interview with Galatta Plus, Riddhima Kapoor Sahni and her husband Bharat Sahni

their daughter's pictures affect them. She said, "There will be people who will love you or like you. Either you develop a thick skin, and I don't think it's fair to tell a 13-year-old to develop a thick skin. But this is the choice that she is making. She wants to be on social media, I don't want her to be on social media. I want her off."Riddhima Kapoor Sahni has been in the news ever since the beginning of the year. A jewellery designer by profession, Ranbir Kapoor's sister is now set to make her acting debut in the third season of Fabulous Lives of Bollywood Wives. Besides Riddhima, Kalyani Saha Chawla and Shalini Passi will also be joining the show for added excitement. In February, Riddhima shared the poster of the series and wrote, "More drama, more spice, and the most FABULOUS you've ever seen them be! Fabulous Lives vs Bollywood Wives S3 coming soon only on Netflix!"

